दैनिक हिंदी अखबार
सच बेधड़क
जयपुर, मंगलवार, 15 सितंबर, 2026
भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष-चतुर्थी, विसं 2083

- 309 निकायों के नतीजों के बाद अब बाड़ेबंदी में होगा असली सियासी खेल
- जयपुर, कोटा, भीलवाड़ा, उदयपुर में भाजपा को बहुमत, बीकानेर में कांग्रेस का बोर्ड तय
- जोधपुर में कांटे की टक्कर, पाली-अजमेर में कांग्रेस आगे, भरतपुर में निर्दलीय निर्णायक
- जोधपुर, कोटा और जयपुर के मेयर चुनाव री-पोल के चलते स्थगित

"राजस्थान के नगर निकाय चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत दिलाने के लिए जनता-जनार्दन का हृदय से आभार। यह झूठ की गूंज के सामने सत्य की विजय का प्रमाण है। जनादेश से स्पष्ट है कि राजस्थान की जनता डबल इंजन सरकार की सुशासन और विकास की नीतियों के साथ मजबूती से खड़ी है। यह जीत राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने और जन-जन के जीवन में खुशहाली लाने के हमारे संकल्प को और सशक्त करेगी। सभी विजयी प्रत्याशियों और पार्टी के समर्पित एवं परिश्रमी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

"कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से प्रदेश को मुक्त कर भाजपा सरकार हर क्षेत्र में विकास को नई गति दे रही है। राजस्थान की जनता का आशीर्वाद विकसित राजस्थान के संकल्प को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और भाजपा के परिश्रमी कार्यकर्ताओं को इस जीत की हार्दिक बधाई।

- अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

भजनलाल का चेहरा बना भाजपा की ताकत, शहरों में मिला साथ

भजनलाल पर 'भरोसा'

किस्मत नहीं, अब काम बोलता है... मेहनत बोलती है

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव के नतीजे सामने आते ही अब असली सियासी खेल बोर्ड गठन को लेकर शुरू हो गया है। 309 नगरीय निकायों में जीतकर आए पार्षदों के बीच जहां जश्न का दौर है, वहीं बहुमत से दूर निकायों में राजनीतिक दलों ने जोड़-तोड़ शुरू कर दी है।

भाजपा और कांग्रेस ने निर्दलीय पार्षदों को अपने पाले में लाने के लिए दिग्गज नेताओं को मैदान में उतार दिया है। कई शहरों में बोर्ड का गणित एक-दो पार्षदों के समर्थन पर टिका है। ऐसे में आने वाले दिनों में बाड़ेबंदी, संपर्क और सियासी गुणा-भाग का दौर तेज होने वाला है।

नगरीय निकाय चुनाव के नतीजों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व पर जनता के भरोसे से जोड़कर देखा जा रहा है। शहरों में भाजपा को मिली बढ़त ने संकेत दिया है कि शहरी मतदाताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नीतियों और सरकार के कामकाज पर भरोसा जताया है। संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल का भी चुनावी लाभ भाजपा को मिला। कई शहरों में पार्टी की मजबूत जीत ने मुख्यमंत्री की राजनीतिक पकड़ को और मजबूती दी है।

10,244 वार्डों में किसकी कितनी ताकत?

दल	जीते वार्ड
भाजपा	4,179
कांग्रेस	3,613
निर्दलीय	2,273
आरएलपी	63
आम आदमी पार्टी	42
सीपीआईएम	38
बसपा	19
बीएपी	8
कुल वार्ड	10,244
परिणाम घोषित	10,235
परिणाम लंबित	9

भारी पड़े भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जब खुद नगरीय निकाय चुनावों में मैदान में उतरे तो सब हैरानी जता रहे थे। अब नतीजों से साफ हो गया है कि दस नगर निगमों में पांच दिन में दस रोड शो का उनका प्लान सोची-समझी रणनीति का हिस्सा था। उन्होंने खुद को पूरी ताकत से फील्ड में झोंक दिया। जनता से सीधे कनेक्ट किया। यह साहस दिखाया कि जनता के बीच जाकर अपनी सरकार के ढाई साल के काम और उपलब्धियों को गिना सकें। यही प्रमुख वजह रही कि भजनलाल कांग्रेस के दिग्गजों और कांग्रेस पार्टी की रणनीति पर भारी पड़े।

री-पोल के बाद ही पूरी साफ होगी तस्वीर

प्रदेश के कुछ मतदान केंद्रों पर ईवीएम में तकनीकी खराबी के चलते पुनर्मतदान कराया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार 16 सितंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक री-पोल होगा और 17 सितंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना की जाएगी। जयपुर नगर निगम के वार्ड 9, 18, 25 और 34 के कुछ बूथों, जोधपुर के वार्ड 50, कोटा के वार्ड 87, 44 और 11 तथा सुकेत नगरपालिका के वार्ड 4 के एक बूथ पर पुनर्मतदान होगा। इसके चलते संबंधित निकायों में बोर्ड और मेयर चुनाव की प्रक्रिया भी आगे खिसकी है।

भाजपा सबसे बड़ा दल... कई बोर्डों की चाबी निर्दलीयों के हाथ

फोटो: पंकज शर्मा

जीत का जश्न... मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, भाजपा प्रवक्ता रोहन गुप्ता सहित अन्य नेता नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी मनाते हुए (ऊपर) एवं *सीएम भजनलाल शर्मा भाजपा की जीत पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को लड्डू खिलाते हुए (बाएं) और भाजपा की जीत पर प्रदेश कार्यालय में खुशी मनाते कार्यकर्ता (दाएं)।*

"नगरीय निकाय चुनावों में राजस्थान की जनता ने भाजपा के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और 'विकसित भारत-विकसित राजस्थान' के संकल्प पर भरोसा जताया है। भाजपा के संकल्प पत्र के 78 प्रतिशत वादे पूरे हो चुके हैं और बाकी संकल्प भी पूरे किए जाएंगे। यह जीत परिश्रमी कार्यकर्ताओं को समर्पित है। जनादेश ने 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' की अवधारणा को भी समर्थन दिया है।

- भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

"भाजपा ने मनमाने परिसीमन और सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल के बावजूद कई नगर निगमों में हार का सामना किया है। अब जोधपुर और अलवर में पुलिस के जरिए कांग्रेस व निर्दलीय पार्षदों पर दबाव बनाने के प्रयास की शिकायतें सामने आ रही हैं। पुलिस और प्रशासन निष्पक्ष रहें। कांग्रेस ऐसे कृत्यों को गंभीरता से ले रही है और अनुचित भूमिका निभाने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

- अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री

नगर परिषद-नगर पालिका में बहुमत

निकाय	कुल	भाजपा बहुमत	कांग्रेस बहुमत	आप बहुमत	त्रिशंकु
नगर परिषद	47	13	6	1	27
नगर पालिका	252	68	37	0	147
कुल	299	82	43	1	173

सियासी तस्वीर: नगर निगमों को छोड़कर नगर परिषद और नगर पालिकाओं के उपलब्ध आंकड़ों में 173 निकायों में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। यही निकाय अब भाजपा-कांग्रेस की सियासी रणनीति और निर्दलीयों की भूमिका के केंद्र में रहेंगे।

नगर निगमों में किसकी बढ़त?

नगर निगम	कुल वार्ड	परिणाम घोषित	भाजपा	कांग्रेस	निर्दलीय/अन्य	स्थिति
जयपुर	150	146	78	53	15	BJP/4 पर परिणाम रुका
उदयपुर	80	80	53	23	11	भाजपा
भीलवाड़ा	70	70	45	10	15	भाजपा
कोटा	100	97	55	38	04	BJP/3 का परिणाम रुका
बीकानेर	80	80	24	42	11	कांग्रेस
अलवर	65	65	28	23	14	भाजपा आगे
जोधपुर	100	99	44	44	11	भाजपा-कांग्रेस बराबर
पाली	65	65	21	29	15	कांग्रेस आगे
भरतपुर	65	65	20	7	38	निर्दलीय निर्णायक
अजमेर	80	80	32	37	11	कांग्रेस आगे

"निकाय चुनाव में जनता ने भाजपा की नीतियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनहितैषी योजनाओं पर विश्वास जताया है। पिछली बार की तुलना में भाजपा ने ढाई से तीन गुना बेहतर प्रदर्शन किया है। यह जीत कार्यकर्ताओं को समर्पित है। जनता का आशीर्वाद हमारी जिम्मेदारी बढ़ाता है और आगामी पंचायत चुनावों में भी भाजपा को इसी तरह समर्थन मिलेगा।

- मदन राठौड़, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

"मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने सभी 10 नगर निगमों में रोड शो किए, इसके बावजूद भाजपा का प्रदर्शन सवाल खड़े करता है। कांग्रेस के बड़े नेता प्रचार में नहीं गए, क्योंकि स्थानीय निकाय चुनावों की यही परंपरा रही है। पिछले 70 वर्षों में वसुंधरा राजे, अशोक गहलोत या प्रदेशाध्यक्षों ने इस तरह प्रचार नहीं किया। नतीजे बताते हैं कि सरकार ने ढाई साल में जनता की उम्मीदों पर काम नहीं किया।

- गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष

"राजस्थान की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। भ्रम फैलाने वालों और नाराज फूफाओं को दरकिनार कर जनता ने विकास और सुशासन पर मुहर लगाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मेहनती कार्यकर्ताओं को इस ऐतिहासिक जीत की बधाई।"

नितिन नवीन, भाजपा अध्यक्ष

"राजस्थान निकाय चुनावों में भाजपा को मिला जनसमर्थन साबित करता है कि विकास और सुशासन का दूसरा नाम भाजपा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनता ने विकास, जनकल्याण और पारदर्शी प्रशासन पर भरोसा जताया है।"

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

"राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार विजय पर कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और देवतुल्य जनता का हृदय से आभार। यह ऐतिहासिक जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकास, सुशासन एवं जनसेवा की नीतियों पर जनता की मुहर है। यह विजय राजस्थान की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करेगी।"

- योगी आदित्यनाथ, CM यूपी

निकाय चुनाव में दिग्गजों की परीक्षा

किसका चला सिक्का... किसकी पकड़ हुई कमजोर?

- जयपुर में भजनलाल की साख मजबूत, टोंक में पायलट का गढ़ बरकरार
- झालावाड़ में वसुंधरा और पाली में राठौड़ के सामने चुनौती, सीकर में डोटासरा का दबदबा

बेधड़क | जयपुर

निकाय चुनाव के नतीजे सिर्फ पार्षदों की जीत-हार तक सीमित नहीं हैं। इन परिणामों ने मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, प्रदेश अध्यक्ष और विपक्ष के बड़े नेताओं की अपने-अपने क्षेत्रों में राजनीतिक पकड़ का भी लिटमस टेस्ट किया है। कहीं दिग्गजों का प्रभाव साफ नजर आया तो कहीं मजबूत गढ़ में विपक्ष ने सेंध लगाकर नई चुनौती खड़ी कर दी। जयपुर, झालावाड़, जोधपुर, टोंक, बीकानेर, कोटा, अलवर, पाली, सीकर और अजमेर के नतीजों में नेताओं की प्रतिष्ठा के अलग-अलग रंग दिखाई दिए।

भजनलाल शर्मा के जयपुर में सरकार की साख मजबूत

राजधानी जयपुर में भाजपा ने 78 वार्ड जीतकर कांग्रेस के 53 वार्डों के मुकाबले स्पष्ट बढ़त बनाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ भाजपा के कई बड़े चेहरे राजधानी में सक्रिय रहे। ऐसे में यह परिणाम सरकार और संगठन के लिए सकारात्मक माना जा रहा है। पहली बड़ी शहरी परीक्षा में भाजपा की बढ़त मुख्यमंत्री की साख को मजबूती देती है।

वसुंधरा के गढ़ झालावाड़ में झटका

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनके पुत्र दुष्यंत सिंह के प्रभाव वाले झालावाड़ में कांग्रेस ने बड़ा उलटफेर किया। नगर परिषद के 45 वार्डों में कांग्रेस ने 29, भाजपा ने 13 सीटें जीतीं। भाजपा के मजबूत गढ़ में कांग्रेस की यह बढ़त राजे खेमे के लिए चिंता का संकेत है।

अर्जुनराम मेघवाल के बीकानेर में भाजपा पिछड़ी

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के प्रभाव वाले बीकानेर में कांग्रेस ने 42 वार्ड जीते, जबकि भाजपा 24 पर रही। बड़े भाजपा नेताओं की मौजूदगी के बावजूद कांग्रेस की बढ़त स्थानीय संगठन के स्तर पर भाजपा के लिए आत्ममंथन का संकेत है।

सचिन पायलट ने टोंक में गढ़ बचाया: टोंक नगर परिषद में कांग्रेस ने 32 वार्ड जीतकर बहुमत हासिल किया। सत्ता परिवर्तन के बाद इसे सचिन पायलट की स्थानीय लोकप्रियता की परीक्षा माना जा रहा था। परिणाम ने संकेत दिया कि टोंक में पायलट का व्यक्तिगत प्रभाव अब भी मजबूत है।

बिरला के कोटा में BJP का परचम

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रभाव वाले कोटा में 100 में से 97 वार्डों के परिणाम घोषित हुए हैं। भाजपा ने इनमें से 55 वार्ड जीतकर बोर्ड के लिए बहुमत प्राप्त किया है। बिरला के साथ भाजपा का मजबूत नेटवर्क है। साथ ही लोकप्रियता और आमजन में उनकी पकड़ भी बेहद मजबूत है। कोटा की एकतरफा जीत इसी का परिणाम माना जा रहा है।

गहलोत-शेखावत फिफ्टी-फिफ्टी

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के प्रभाव वाले जोधपुर में भाजपा और कांग्रेस 44-44 वार्डों पर बराबर रहे। 11 निर्दलीय निर्णायक हैं। परिणाम ने गहलोत की पकड़ को चुनौती के बावजूद कायम रखा, वहीं भाजपा ने भी मजबूत मुकाबला पेश किया।

जोधपुर में बराबरी की टक्कर... BJP-कांग्रेस 44-44 पर, 99 वार्डों का फैसला

दिग्गजों के गढ़ में बड़ा उलटफेर... पूर्व मेयर और कांग्रेस जिलाध्यक्ष हारे

बेधड़क | जोधपुर

नगर निगम चुनाव की मतगणना में जोधपुर की सियासत ने चौंकाने वाले नतीजे दिए हैं। 100 वार्डों में से 99 के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें भाजपा और कांग्रेस ने 44-44 सीटें जीतकर मुकाबले को बेहद रोमांचक बना दिया, जबकि अन्य दलों और निर्दलीयों के खाते में 11 सीटें गई हैं। वार्ड 50 में EVM में तकनीकी खराबी के कारण मतगणना रोक दी गई है। रिटर्निंग अधिकारी ने चुनाव आयोग से बूथ पर दोबारा मतदान को लेकर मार्गदर्शन मांगा है।

गहलोत के वार्ड में BJP का कब्जा

चुनाव नतीजों में सबसे बड़ा राजनीतिक झटका पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रभाव वाले इलाके में कांग्रेस को लगा। जिस वार्ड में गहलोत ने खुद मतदान किया था, वहां भाजपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। गहलोत परिवार से जुड़े जसवंत सिंह कच्छवाह भी भाजपा के विजय सिंह से 1000 से अधिक वोटों से हार गए। कांग्रेस की पूर्व मेयर कुंती देवड़ा को वार्ड 99 में भाजपा की निकिता ने 259 वोटों से हराया। वहीं कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष ओंकार वर्मा वार्ड 42 में भाजपा के पूर्व राज्य मंत्री मेघराज लोहिया से 279 वोटों से हार गए। भाजपा को भी बड़ा झटका लगा। मेयर पद के दावेदार माने जा रहे देवेंद्र सालेचा को कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश जोशी ने शिकस्त दी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के प्रभाव वाले क्षेत्र में भी कांग्रेस ने सेंध लगाई। उनके वार्ड में भाजपा की भावना को कांग्रेस की पुष्पा गहलोत ने हराया। शेखावत के करीबी रविंद्र सिंह मामडोली भी कांग्रेस के गिरधारी सिंह से 800 से अधिक वोटों से हार गए।

21 साल की सरस्वती बनीं सबसे कम उम्र की विजेता

वार्ड 51 से कांग्रेस की 21 वर्षीय सरस्वती प्रजापत ने जीत दर्ज की। UPSC की तैयारी कर रहीं सरस्वती इस चुनाव की सबसे कम उम्र की विजेता बताई गई हैं। वार्ड 28 में फुटबॉल नेशनल प्लेयर भाजपा के विकास राघवानी भी विजयी रहे।

एक नजर

प्रमुख आंकड़े	स्थिति
कुल वार्ड	100
घोषित परिणाम	99
भाजपा	44
कांग्रेस	44
अन्य	11
लंबित वार्ड	1 (वार्ड 50)

सबसे कम जीत का अंतर
9 वोट
सबसे बड़ी जीत का अंतर
2,697 वोट

9 वोट से सबसे करीबी मुकाबला

वार्ड 71 में कांग्रेस की शुभलक्ष्मी पुरोहित ने भाजपा की गायत्री सोनी को महज 9 वोटों से हराया। वार्ड 67 में भाजपा के दिनेश मेवाड़ा 20 वोट और वार्ड 46 में कांग्रेस की रेखा गहलोत 36 वोटों से जीतीं। वहीं सबसे बड़ी जीत वार्ड 72 में कांग्रेस के इरफान अब्बासी की रही। उन्होंने निर्दलीय मोहम्मद इसरान को 2,697 वोटों से हराया। 117 राउंड में हुई मतगणना: पॉलिटेक्निक कॉलेज में 10 कमरों में वार्डवार टेबल लगाकर मतगणना कराई गई। पहले डाक मतपत्रों की गिनती हुई, इसके बाद EVM के वोट गिने गए। इन नतीजों ने जोधपुर की स्थानीय राजनीति में नए समीकरणों की जमीन तैयार कर दी है।

उदयपुर में 7वीं बार भाजपा का बोर्ड

भाजपा में मेयर की कुर्सी के लिए त्रिकोणीय मुकाबला

बेधड़क | उदयपुर

उदयपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए सातवीं बार बोर्ड बनाने की स्थिति हासिल कर ली। 80 वार्डों के सभी परिणाम घोषित हो चुके हैं। भाजपा ने 53 सीटें, कांग्रेस ने 23, माकपा ने 1 और निर्दलीय प्रत्याशियों ने 3 वार्डों में जीत दर्ज की। वार्ड 73 से पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास की भतीजा बहू डॉ. हितांशी शर्मा ने भाजपा की लवली जैन को हराया। वहीं भाजपा के मेयर पद के प्रमुख दावेदार प्रमोद सामर, पारस सिंघवी और अतुल चंडालिया भी जीत गए। कांग्रेस शहर अध्यक्ष फतहसिंह राठौड़ की पत्नी डॉ. पूनम कंवर ने भी वार्ड 17 से जीत दर्ज की।

एक नजर

पार्टी	जीती सीटें
भाजपा	53
कांग्रेस	23
माकपा	1
निर्दलीय	3
कुल	80

विधायक के वार्ड में भाजपा की बागी जीतीं

सबसे चौंकाने वाले परिणामों में वार्ड 60 रहा, जहां विधायक फूल सिंह मीणा के वार्ड से भाजपा की बागी खुशबू मेहता ने निर्दलीय चुनाव जीत लिया। वहीं, वार्ड 25 में भाजपा के लोकेश साहू ने कांग्रेस की नेहा को महज 32 वोटों से हराया। वार्ड 4 में कांग्रेस की स्नेहलता टांक 48 वोटों से जीतीं। वहीं वार्ड 20 में कांग्रेस के साजिद खान ने 2790 वोटों से और वार्ड 71 में भाजपा के पंकज बोराणा ने 2481 वोटों से बड़ी जीत दर्ज की।

बीकानेर में भाजपा 27 सीटों पर सिमटी

अनिल कल्ला मेयर की रेस में आगे, पूर्व मेयर सुशीला हारीं

बेधड़क | बीकानेर

नगर निगम चुनाव में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। 80 वार्डों में कांग्रेस ने 42 सीटें जीतकर बोर्ड बनाने की स्थिति मजबूत कर ली है। भाजपा को 27 वार्डों में जीत मिली, जबकि 10 सीटों पर निर्दलीय और एक वार्ड में आरएलपी प्रत्याशी विजयी रहा। बहुमत के लिए 41 पार्षदों की जरूरत थी।

भाजपा को सबसे बड़ा झटका पूर्व मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित की हार से लगा। वार्ड में कांग्रेस की किरण भाटी ने उन्हें शिकस्त दी। सुशीला कंवर पिछले चुनाव में मेयर बनी थीं और भाजपा के मौजूदा निकाय चुनाव घोषणा-पत्र से जुड़ी भूमिका में भी थीं।

एक नजर

नतीजे	सीटें
कांग्रेस	42
भाजपा	27
निर्दलीय	10
आरएलपी	1
कुल वार्ड	80

कल्ला के भतीजे की बड़ी जीत

वार्ड 73 में कांग्रेस के अनिल कल्ला ने भाजपा के दीपक पारीक को करीब 800 वोटों से हराया। अनिल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. बी.डी. कल्ला के भतीजे हैं और मेयर पद के दावेदार माने जा रहे हैं। इस जीत ने कांग्रेस के मेयर चयन को लेकर सियासी हलचल बढ़ा दी है।

अलवर में 65 वार्डों में भाजपा की बढ़त

मेयर पद के दावेदारों को नतीजों ने दिया बड़ा झटका

बेधड़क | अलवर

नगर निगम चुनाव के सभी 65 वार्डों के नतीजे सामने आ गए हैं। भाजपा ने 28 वार्डों में जीत दर्ज कर बढ़त बनाई, जबकि कांग्रेस 23 सीटों पर सिमट गई। बसपा को एक वार्ड में जीत मिली और 13 सीटों पर अन्य प्रत्याशी विजयी रहे। 65 वार्डों में कुल 344 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। वार्ड 23 से भाजपा प्रत्याशी सुमन चौधरी हार गईं। उनके पति भी वार्ड 28 से चुनाव नहीं जीत सके। सुमन को महिला सीट होने के चलते मेयर पद का दावेदार माना जा रहा था। वहीं 2019 में भाजपा के सभापति पद के प्रत्याशी रहे धीरज जैन की पत्नी नीलिमा जैन को भी वार्ड 32 में निर्दलीय प्रत्याशी ने हरा दिया।

एक नजर

पार्टी	जीत
भाजपा	28
कांग्रेस	23
BSP	1
अन्य	13
कुल	65

कांग्रेस खेमे को भी बड़ा झटका

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के करीबी माने जाने वाले दीपक गर्ग की भाभी रिंकल गर्ग वार्ड 36 से हार गईं। उन्हें भी मेयर पद की मजबूत दावेदार माना जा रहा था। इसके उलट पूर्व मेयर घनश्याम गुर्जर की पुत्रवधू बीना गुर्जर ने वार्ड 20 से जीत दर्ज की। वार्ड 49 से भाजपा के अजय पूनिया ने करीब 1600 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, जो उपलब्ध नतीजों में सबसे बड़ी जीत रही।

अजमेर में 36 साल का बीजेपी का किला ढहा, निर्दलीय तय करेंगे अगला बोर्ड

देवनानी-भदेल की प्रतिष्ठा दांव पर, मेयर दावेदार मधु शेखावत भी हारीं

बेधड़क | अजमेर

अजमेर नगर निगम चुनाव में 36 साल बाद भाजपा को बड़ा झटका लगा है। 80 वार्डों के नतीजों में कांग्रेस 37 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि भाजपा 32 वार्डों तक सिमट गई। 11 निर्दलीयों ने जीत दर्ज कर दोनों प्रमुख दलों के सामने बोर्ड बनाने की चुनौती खड़ी कर दी है। बहुमत का आंकड़ा 41 है। ऐसे में कांग्रेस को 4 और भाजपा को 7 पार्षदों के समर्थन की जरूरत होगी।

एक नजर

नतीजे	सीटें
कांग्रेस	37
भाजपा	32
निर्दलीय	11
कुल वार्ड	80
बहुमत का आंकड़ा	41
कांग्रेस को जरूरत	4
भाजपा को जरूरत	7

भदेल के वार्ड में भाजपा को झटका

अजमेर उत्तर विधायक और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के क्षेत्र में भाजपा ने जीत दर्ज की, लेकिन अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल अपने ही वार्ड में भाजपा प्रत्याशी को जीत नहीं दिला सकीं। कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत के क्षेत्र से जुड़े वार्ड 54 और 61 में भी कांग्रेस ने भाजपा को शिकस्त दी। वार्ड 59 सबसे हॉट मुकाबलों में रहा। यहां कांग्रेस की बबीता चौहान ने पूर्व सभापति सुरेंद्र सिंह शेखावत की पत्नी और मेयर पद की दावेदार मानी जा रहीं मधु शेखावत को हरा दिया। वहीं वार्ड 4 में कांग्रेस छोड़ भाजपा में आईं मोनिका जैन ने पूर्व मेयर धर्मेंद्र गहलोत की पत्नी हेमा गहलोत को चुनाव हराया।

4 वोट से जीत... 2420 वोट की सबसे बड़ी बढ़त

वार्ड 26 में कांग्रेस के सुनील केन ने भाजपा के मोहित चौहान को महज 4 वोटों से हराया। दूसरी ओर वार्ड 7 में भाजपा के विवेक सिंह ने कांग्रेस के अरुण सिंह को 2420 वोटों से मात दी। वार्ड 37 में निर्दलीय मदन सिंह ने भाजपा के रणविजय सिंह को 2063 वोटों से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

कांग्रेस 38 पर सिमटी, चार निर्दलीय जीते

कोटा में खिला कमल, 55 सीटों के साथ बीजेपी का बोर्ड तय

बेधड़क | कोटा

कोटा नगर निगम चुनाव में भाजपा ने एकतरफा बढ़त बनाते हुए बोर्ड बनाने की स्थिति साफ कर दी है। 100 वार्डों में से 99 के नतीजे घोषित हो चुके हैं। इनमें भाजपा ने 55, कांग्रेस ने 38 और निर्दलीयों ने 4 वार्ड जीते हैं। तीन वार्डों 87, 44 और 11परिणाम ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण रोक दिया गया है।

भाजपा की जीत के साथ ही पार्टी ने बोर्ड गठन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। वार्ड 87 की मतगणना के दौरान ईवीएम में तकनीकी खराबी सामने आई। इसके बाद कांग्रेस शहर जिला अध्यक्ष राखी गौतम जेडीबी कॉलेज स्थित मतगणना केंद्र पहुंचीं। उन्होंने मौके पर मौजूद कलेक्टर और एडीएम से बात की, जिसके बाद संबंधित मशीन को सील कर दिया गया। अब इस वार्ड का परिणाम आगे की प्रक्रिया के बाद घोषित होगा।

एक नजर

नतीजे	सीटें
भाजपा	55
कांग्रेस	38
निर्दलीय	4
कुल वार्ड	100

वार्ड 87, 44 और 11 में ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण मतगणना रुकी।

2020 में कांग्रेस... अब तस्वीर बदली

कोटा में 2020 के चुनाव के दौरान शहर को कोटा उत्तर और कोटा दक्षिण दो नगर निगमों में बांटा गया था। कोटा उत्तर के 70 वार्डों में कांग्रेस ने 47 सीटें जीतकर मजबूत स्थिति बनाई थी, जबकि भाजपा को सिर्फ 14 और निर्दलीयों को 9 सीटें मिली थीं। इस बार 100 वार्ड वाले एकीकृत कोटा नगर निगम में नतीजों ने राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। भाजपा ने कांग्रेस की पुरानी बढ़त को पलटते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। कोटा नगर निगम में महापौर पद OBC महिला के लिए आरक्षित है। ऐसे में भाजपा के भीतर महापौर पद के लिए लॉबिंग तेज हो गई।

भरतपुर में बीजेपी 20 पर सिमटी

निर्दलीय बनेंगे मेयर की कुर्सी के लिए ‘किंगमेकर’

बेधड़क | भरतपुर

भरतपुर नगर निगम चुनाव के सभी 65 वार्डों के नतीजों ने मेयर की कुर्सी का गणित पूरी तरह बदल दिया है। निर्दलीयों ने 36 सीटें जीतकर सबसे बड़ा खेमा बना लिया है। भाजपा 20 सीटों के साथ दूसरे और कांग्रेस महज 7 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर रही। बसपा और RLP को एक-एक सीट मिली। निर्दलीयों ने अकेले 55.4% सीटों पर कब्जा किया है।

भाजपा-कांग्रेस की कुल सीटें भी 27 ही हैं। ऐसे में मेयर चुनाव में निर्दलीयों की भूमिका निर्णायक होगी। भाजपा निर्दलीयों के सहारे बोर्ड बनाने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस भी समर्थन जुटाने में पीछे नहीं रहना चाहेगी।

एक नजर

पार्टी	जीती सीटें
निर्दलीय	36
भाजपा	20
कांग्रेस	7
बसपा	1
RLP	1
कुल	65

मेयर के दावेदार हारे, अब नए नामों की चर्चा

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कई चर्चित मेयर दावेदार पार्षद का चुनाव ही हार गए। पूर्व डिप्टी मेयर गिरीश चौधरी की पत्नी मीना कुमारी, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता की पत्नी कल्पना कौशिक और मेयर पद की दावेदार मानी जा रहीं कुसुमलता को हार का सामना करना पड़ा। अब निर्दलीय खेमे से पूर्व मेयर शिव सिंह भौंट की पत्नी विचित्रा सिंह का नाम चर्चा में है। वे वार्ड 17 से निर्दलीय जीतकर आई हैं।

भीलवाड़ा में बीजेपी का दबदबा

मेयर की रेस को झटका... भाजपा दावेदार खुशबू हारीं

बेधड़क | भीलवाड़ा

नगर निगम के 70 वार्डों के नतीजों ने शहर की सियासी तस्वीर साफ कर दी है। भाजपा ने 45 वार्ड जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जबकि कांग्रेस सिर्फ 10 सीटों पर सिमट गई। निर्दलीयों ने कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 15 वार्ड में जीत दर्ज की। कांग्रेस के 17 सिंबल नहीं देने के कारण उसके 53 प्रत्याशी ही मैदान में थे। वार्ड 35 से महापौर की दावेदार भाजपा की खुशबू शुक्ला को निर्दलीय उदयलाल ने हराया। भाजपा प्रवक्ता विनोद झुर्रानी की पत्नी प्रीति झुर्रानी वार्ड 41 में निर्दलीय ममता ठाकुर से हार गईं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष जीपी खटीक की पत्नी समदू देवी खटीक को वार्ड 52 में भाजपा के रमेश खोईवाल ने शिकस्त दी।

एक नजर

पार्टी	जीती सीटें
भाजपा	45
निर्दलीय	15
कांग्रेस	10

महापौर की कुर्सी पर तीन नामों की चर्चा

महापौर पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित है। वार्ड 61 की पूर्णिमा जैन, वार्ड 60 की सुमन ओझा और वार्ड 31 की ममता बाहेती को प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। पूर्णिमा जैन पहली बार चुनाव जीतकर आई हैं, जबकि सुमन ओझा पूर्व में पार्षद रह चुकी हैं। ममता बाहेती के नाम को भी संगठन और राजनीतिक संपर्कों के चलते मजबूत माना जा रहा है।

पाली में भाजपा 21 सीटों पर अटकी

कांग्रेस की वापसी... निर्दलीय तय करेंगे सत्ता की चाबी

बेधड़क | पाली

पाली नगर निगम के 65 वार्डों के नतीजों ने शहर की सियासत बदल दी है। कांग्रेस 29 वार्ड जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि भाजपा को 21 और निर्दलीयों को 15 सीटें मिली हैं। बोर्ड बनाने के लिए 33 पार्षदों की जरूरत है। ऐसे में 15 निर्दलीय अब पाली में सत्ता की चाबी बन गए हैं। कांग्रेस को बोर्ड बनाने के लिए चार निर्दलीयों का समर्थन जुटाना होगा, जबकि भाजपा को 12 निर्दलीयों को साथ लाना पड़ेगा। कांग्रेस के लिए यह नतीजा खास है, क्योंकि पार्टी 17 साल बाद नगर निगम में बोर्ड बनाने की स्थिति में पहुंची है। कांग्रेस के लिए बोर्ड करीब दिख रहा है, लेकिन अंतिम फैसला निर्दलीयों की लामबंदी से होगा।

एक नजर

पार्टी	सीटें
कांग्रेस	29
भाजपा	21
निर्दलीय	15

महापौर की रेस में राजबाला, सुमित्रा सबसे आगे

महापौर पद महिला के लिए आरक्षित है और कांग्रेस में राजबाला प्रदीप हिंगड़, सुमित्रा जैन और अनामिका सोलंकी के नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं। वार्ड 38 से राजबाला हिंगड़ ने भाजपा की नयनश्री जैन को 949 वोट से हराया। वहीं वार्ड 34 में सुमित्रा जैन ने कांग्रेस के बागी निर्दलीय अभिषेक को 291 वोट से शिकस्त दी। सबसे रोचक मुकाबला वार्ड 39 में रहा, जहां अनामिका ने भाजपा के पीयूष को महज 12 वोट से हराया।

जयपुर नगर निगम में छाया 'भगवा', चार वार्डों में होगा री-पोल

सांगानेर में चला 'भजनलाल फैक्टर'

हिमांशु शर्मा | बेधड़क

जयपुर। जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों के नतीजों ने शहर के विधायकों का नया राजनीतिक रिपोर्ट कार्ड सामने रख दिया है। विधानसभा चुनाव में जनता का भरोसा हासिल करने वाले विधायकों के इलाकों में निगम चुनाव में तस्वीर कई जगह बदलती नजर आई। कहीं विधायक का सियासी प्रभाव निगम चुनाव में भी कायम रहा तो कहीं पार्टी संगठन और स्थानीय प्रत्याशियों ने विधानसभा समीकरणों को उलट दिया। सबसे बड़ा झटका भाजपा विधायक कैलाश वर्मा के बगरू में दिखा, जहां 14 वार्डों में कांग्रेस ने 8 सीटें जीतकर भाजपा को 6 पर रोक दिया। इसके उलट मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सांगानेर में भाजपा ने 21 में से 15 वार्ड जीतकर अपना मजबूत गढ़ बरकरार रखा। कांग्रेस विधायक रफीक खान के आदर्शनगर में भी कांग्रेस ने 17 में से 10 सीटें जीतकर अपना प्रभाव साबित किया।

भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जीत की बधाई देते भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अन्य। फोटो: पंकज शर्मा

वार्ड 38 से 58- भजनलाल शर्मा

सांगानेर में सीएम का दबदबा बरकरार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के 21 वार्डों में भाजपा ने 15 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं। निर्दलीय यहां खाता नहीं खोल सके। यानी निगम चुनाव में भी सांगानेर भाजपा का सबसे मजबूत इलाका बनकर उभरा। हालांकि यहां मतदान केवल 57.85 प्रतिशत रहा, जो जयपुर के कुल 63.55 प्रतिशत औसत से कम था, लेकिन कम मतदान के बावजूद भाजपा ने स्पष्ट बढ़त हासिल की।

वार्ड 1 से 22-दीया कुमारी

विद्याधर नगर में BJP आगे, लेकिन एकतरफा नहीं

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के विद्याधर नगर के 22 वार्डों में भाजपा ने 12 सीटें जीतीं। कांग्रेस को 4 और निर्दलीयों को 4 सीटें मिलीं, यानी उपलब्ध परिणामों में भाजपा सबसे आगे रही। यहां 63.32 प्रतिशत मतदान हुआ।

वार्ड 23 से 37-राज्यवर्धन

झोटवाड़ा में BJP जीती, निर्दलीयों ने काटे वोट

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के झोटवाड़ा के 15 वार्डों में भाजपा ने 7 सीटें जीतीं। कांग्रेस को केवल 3 सीटें मिलीं, जबकि निर्दलीयों ने 3 वार्डों में जीत दर्ज की। वार्ड 25 और 34 के परिणाम होल्ड हैं। यहां 64.39% मतदान हुआ।

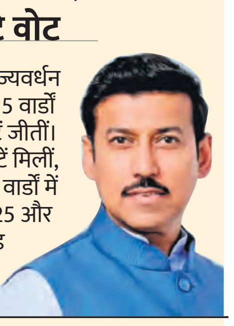

78 वार्डों में खिला कमल... 53 में कांग्रेस और 15 में निर्दलीय

अब जयपुर में 'ट्रिपल इंजन' की शहरी सरकार बनना तय

■ चार वार्डों के पांच बूथों पर री-पोल के बाद पूरी होगी 150 वार्डों की तस्वीर

बेधड़क | जयपुर

राजधानी जयपुर ने नगर निगम चुनाव में भाजपा को स्पष्ट बहुमत देकर एक बार फिर बोर्ड की कमान BJP के हाथों सौंप दी है। सोमवार को भवानी निकेतन में हुई मतगणना में भाजपा ने 78, कांग्रेस ने 53 और निर्दलीयों ने 15 वार्डों में जीत दर्ज की। चार वार्डों के परिणाम ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण अटके हैं। इन चार वार्डों के पांच बूथों पर अब री-पोल होगा। इसके बाद 150 वार्डों की अंतिम तस्वीर साफ होगी। भाजपा के इस प्रदर्शन के साथ जयपुर में राज्य और केंद्र के बाद अब नगर निगम में भी 'ट्रिपल इंजन' की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है।

जयपुर के नतीजों में सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर वार्ड 110 में हुआ। पूर्व महापौर और भाजपा प्रत्याशी ज्योति खंडेलवाल को कांग्रेस की सुनीता मेठी ने 2706 वोट से हरा दिया। खास बात यह रही कि 11 राउंड की मतगणना में ज्योति किसी भी राउंड में बढ़त नहीं बना सकीं। कांग्रेस ने पूरे मुकाबले में उन्हें पीछे रखा। ज्योति पहले कांग्रेस के टिकट पर महापौर रह चुकी हैं और विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुई थीं। भाजपा में आने के बाद उन्हें नगर निगम चुनाव में मैदान में उतारा गया था। ऐसे में उनकी हार को सिर्फ एक वार्ड का परिणाम नहीं, बल्कि दल-बदल की राजनीति और स्थानीय समीकरणों पर जनता के फैसले के तौर पर भी देखा जा रहा है।

जीत का जश्न

फोटो: राजेश कुमावत

मेयर की कुर्सी पर भाजपा के सुनील कोठारी सबसे आगे

नगर निगम के 146 वार्डों में मतगणना पूरी होने के साथ अब सियासत का अगला फोकस मेयर की कुर्सी पर टिक गया है। भाजपा का बोर्ड बनने की स्थिति में सुनील कोठारी मेयर पद की दौड़ में सबसे आगे माने जा रहे हैं। उनके साथ पुनीत कर्णावट, विमल अग्रवाल और सुभाष सिंधी के नाम भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा में हैं। हालांकि, अंतिम फैसला भाजपा संगठन और शीर्ष नेतृत्व को करना है। मेयर के चयन में इस बार जीत के आंकड़ों के साथ सामाजिक समीकरण भी अहम रहने की संभावना है। पार्टी के भीतर वैश्य-जैन समाज से मेयर और मूल OBC वर्ग से डिप्टी मेयर बनाने का संभावित फॉर्मूला भी चर्चा में है। ऐसे में मेयर और डिप्टी मेयर के चयन को जयपुर के सामाजिक संतुलन से जोड़कर देखा जा रहा है।

सीएम के OSD की पत्नी प्रतिभा शर्मा जीतीं

नगर निगम चुनाव में वार्ड नंबर 87 से भाजपा प्रत्याशी प्रतिभा शर्मा ने जीत दर्ज की है। प्रतिभा शर्मा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के OSD आनंद शर्मा की पत्नी हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उनकी भाषण शैली और प्रभावी संवाद को लेकर भी पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच काफी सराहना देखने को मिली थी। प्रतिभा शर्मा की जीत को भाजपा के लिए अहम माना जा रहा है। अब चुनाव परिणाम के बाद निगम में मेयर और डिप्टी मेयर को लेकर सियासी समीकरण बनने शुरू हो गए हैं। भाजपा यदि मेयर पद के लिए वैश्य समाज से किसी पार्षद को मौका देती है, तो डिप्टी मेयर पद के लिए अन्य सामाजिक समीकरणों के साथ प्रतिभा शर्मा के नाम पर भी चर्चा हो सकती है।

मेयर वैश्य-जैन तो डिप्टी मेयर मूल OBC!

भाजपा के सामने सबसे बड़ा सवाल सिर्फ मेयर चुनने का नहीं, बल्कि मेयर-डिप्टी मेयर के जरिए सामाजिक संतुलन साधने का भी होगा। सियासी चर्चाओं के मुताबिक यदि मेयर पद वैश्य या जैन समाज के चेहरे को मिलता है तो डिप्टी मेयर पद के लिए मूल OBC वर्ग से पार्षद को आगे किया जा सकता है। इससे पार्टी को शहर के अलग-अलग सामाजिक वर्गों में संतुलन साधने का संदेश देने का मौका मिलेगा।

ओवैसी की AIMIM का खुला खाता

जयपुर नगर निगम चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की (AIMIM) ने पहली बार जीत दर्ज की है। हवा महल विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 146 (भट्टा बस्ती) से पार्टी प्रत्याशी फिरोजबानो ने 1975 वोटों से जीत हासिल की। ओवैसी ने इसी वार्ड में जनसभा कर प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार किया था। सांसद हनुमान बेनीवाल भी उनके समर्थन में सभा में पहुंचे थे। AIM-IM ने राजस्थान में पांच सीटों पर चुनाव लड़ा, जिनमें जयपुर के अलावा झुंझुनूं में भी पार्टी प्रत्याशी विजयी रहे।

वार्ड 59 से 72- कैलाश वर्मा

बगरू में भाजपा के लिए बड़ा झटका

भाजपा विधायक कैलाश वर्मा के बगरू में पार्टी को सबसे बड़ा सियासी झटका लगा। 14 वार्डों में भाजपा सिर्फ 6 सीटें जीत सकी, जबकि कांग्रेस ने 8 वार्डों पर कब्जा कर लिया। निर्दलीयों का खाता नहीं खुला। यहां 61.87% मतदान हुआ। विधानसभा क्षेत्र के प्रभाव को निगम चुनाव में भाजपा पूरी तरह वोटों में तब्दील नहीं कर पाई।

वार्ड 73- 87 कालीचरण सराफ

मालवीय नगर में BJP भारी

भाजपा विधायक कालीचरण सराफ के मालवीय नगर के 15 वार्डों में भाजपा ने 9 सीटें जीतकर बढ़त कायम रखी। कांग्रेस को 5 और निर्दलीय को 1 सीट मिली। यहां 57.86% मतदान रहा। कम वोटिंग के बावजूद भाजपा ने कांग्रेस पर स्पष्ट बढ़त बनाई। सराफ के लिए यह निगम स्तर पर अपने क्षेत्र में संगठनात्मक पकड़ कायम रहने का संकेत है।

वार्ड 88 से 103 गोपाल शर्मा

सिविल लाइंस में BJP-कांग्रेस बराबर

भाजपा विधायक गोपाल शर्मा के सिविल लाइंस क्षेत्र में मुकाबला बिल्कुल बराबरी पर आ गया। 16 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने 8-8 सीटें जीतीं। निर्दलीयों को एक भी सीट नहीं मिली। यहां सबसे कम 57.28% मतदान हुआ था। नतीजों ने साफ कर दिया कि कम मतदान वाले इस इलाके में भी भाजपा के लिए निगम स्तर पर कांग्रेस ने मजबूत चुनौती पेश की।

वार्ड 104 से 115-अमीन कागजी

किशनपोल में कांग्रेस विधायक के गढ़ में भाजपा की सेंध

कांग्रेस विधायक अमीन कागजी के किशनपोल में भाजपा ने कांग्रेस से ज्यादा सीटें जीतकर बड़ा संदेश दिया। 12 वार्डों में भाजपा ने 6, कांग्रेस ने 4 और निर्दलीयों ने 2 सीटें जीतीं। यहां 67.44% मतदान हुआ, जो जयपुर के औसत से काफी अधिक है।

वार्ड 116 से 132-रफीक खान

आदर्शनगर में कांग्रेस का दबदबा कायम

विधायक रफीक खान के आदर्शनगर में कांग्रेस ने अपना मजबूत आधार बरकरार रखा। 17 वार्डों में कांग्रेस ने 10 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा को 6 और निर्दलीय को 1 सीट मिली।

वार्ड 133 से 147 बालमुकुंदाचार्य

हवामहल में भाजपा आगे, निर्दलीयों ने भी दिखाई ताकत

भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य के हवामहल के 15 वार्डों में भाजपा ने 8 सीटें जीतीं। कांग्रेस को 4 और निर्दलीयों को 3 सीटें मिलीं। वार्ड 146 में भाजपा प्रत्याशी मैदान में नहीं उतार पाई थी, जहां निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। यहां 68.85% मतदान हुआ। भाजपा ने बढ़त तो बनाई, लेकिन निर्दलीयों की तीन जीत ने पुराने शहर में स्थानीय समीकरणों की अहमियत भी साबित की।

वार्ड 147 से 150-प्रशांत शर्मा

आमेर में कांग्रेस विधायक, लेकिन नतीजा त्रिकोणीय

कांग्रेस विधायक प्रशांत शर्मा के आमेर के तीन वार्डों में भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय। तीनों ने एक-एक सीट जीत ली यानी भाजपा 1, कांग्रेस 1 और निर्दलीय 1। आमेर में सबसे ज्यादा 81.41% मतदान हुआ था, लेकिन ज्यादा वोटिंग किसी एक पार्टी के पक्ष में निर्णायक बढ़त में नहीं बदल सकी। यहां विधायक के प्रभाव से ज्यादा स्थानीय प्रत्याशी और वार्ड स्तर का समीकरण भारी रहा।

5 हजार से अधिक मतों से जीतने वाले पार्षद

वार्ड	पार्षद	पार्टी	अंतर
113	गजनफर अली	कांग्रेस	10,014
126	सोफिया बानो	कांग्रेस	7,153
125	मंजो बानो	कांग्रेस	6,704
129	महेश सामरिया	कांग्रेस	5,355
116	संजीदा उमरदराज	कांग्रेस	5,310

सबसे कम वोट से जीतने वाले पार्षद

वार्ड	पार्षद	पार्टी	अंतर
124	कांता देवी	कांग्रेस	5
20	डॉ. उदिता चौहान	भाजपा	26
127	बादल शर्मा	कांग्रेस	52
52	हनुमान सैनी	कांग्रेस	63
76	रवि शंकर	भाजपा	76

जीत के अंतर का अनोखा रिकॉर्ड

जयपुर नगर निगम चुनाव के नतीजों में जीत के अंतर ने भी दिलचस्प तस्वीर सामने रखी है। किसी वार्ड में प्रत्याशी ने हजारों वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की तो कहीं मुकाबला इतना करीबी रहा कि महज कुछ वोटों ने जीत-हार का फैसला किया। वार्ड 113 में कांग्रेस पार्षद गजनफर अली 10,014 वोट से जीते हैं। यह सबसे बड़ी जीत है। वहीं, वार्ड 124 से पार्षद प्रत्याशी कांता देवी सबसे कम 5 वोट से जीती है।

टिकट नहीं मिला तो भी जीते

वार्ड 5 के देवेंद्र सिंह निठारवाल का चुनाव खास रहा। वे भाजपा से टिकट मांग रहे थे। पिछली बार ग्रेटर निगम में निर्दलीय चुनाव लड़कर मामूली अंतर से हारने के बाद इस बार फिर निर्दलीय मैदान में उतरे और 3903 वोट लेकर जीत गए। इसी तरह वार्ड 8 में पूर्व पार्षद दिनेश कांवट की पत्नी मंजू शर्मा ने निर्दलीय जीत दर्ज की। कांवट खुद दो बार भाजपा से पार्षद रह चुके हैं। इस बार महिला सीट पर भाजपा ने टिकट काटा तो पत्नी को मैदान में उतारा और तीसरी बार जीते।

वोटिंग में कांग्रेस के इलाके आगे, लेकिन नतीजों में तस्वीर मिली-जुली

वोटिंग प्रतिशत के लिहाज से कांग्रेस विधायकों के तीनों क्षेत्रों आमेर, आदर्शनगर और किशनपोल में मतदान 65 प्रतिशत से ऊपर रहा, जबकि भाजपा के सात में से पांच विधानसभा क्षेत्रों में मतदान 65: प्रतिशत से नीचे रहा। लेकिन नतीजों ने यह साफ कर दिया कि ज्यादा मतदान का सीधा मतलब किसी एक पार्टी की जीत नहीं है। आमेर में 81.41% मतदान के बावजूद तीनों पार्टियां एक-एक सीट पर रहीं। किशनपोल में 67.44% वोटिंग के बावजूद भाजपा आगे निकल गई। दूसरी ओर आदर्शनगर में 72.20% मतदान कांग्रेस के पक्ष में सीटों में तब्दील हुआ।

निर्दलीय तय करेंगे कई बोर्डों की किस्मत

नगर परिषद चुनाव
आंकड़े बता रहे हैं बदलती सियासी तस्वीर

बेधड़क | जयपुर

47 नगर परिषदों का विश्लेषण करें तो तस्वीर काफी दिलचस्प है। भाजपा कई जगह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन बड़ी संख्या में परिषदों में कांग्रेस और भाजपा दोनों बहुमत से दूर हैं और यहां निर्दलीय निर्णायक भूमिका में रहेंगे।

भाजपा

भाजपा ने 14 परिषदों में अपने दम पर बहुमत हासिल किया है। बांसवाड़ा, बाड़मेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, सुजानगढ़, डूंगरपुर, चौमूं, जैसलमेर, किशनगढ़, पुष्कर, बालोतरा, निम्बाहेड़ा, गंगानगर और राजसमंद में भाजपा बोर्ड बनाने की स्थिति में है।

कांग्रेस

कांग्रेस को पांच परिषदों में स्पष्ट बहुमत मिला है- झालावाड़, करौली, लालसोट, सीकर और सिरोही। यानी कांग्रेस की सीधी बढ़त सीमित रही, लेकिन कई परिषदों में वह भाजपा से आगे रहकर बोर्ड बनाने की कोशिश कर सकती है।

आंकड़ों की बड़ी तस्वीर

बहुमत की स्थिति	परिषदों की संख्या
भाजपा को स्पष्ट बहुमत	13
कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत	06
बहुमत से दूर/त्रिशंकु	28

निर्दलीय बने असली किंगमेकर

सबसे बड़ा सियासी संदेश 28 त्रिशंकु परिषदों से निकलता है। ब्यावर, बारां, चूरू, डीडवाना, कुचामन सिटी, धौलपुर, शाहपुरा, जालोर, झुंझुनूं, भिवाड़ी, खैरथल, तिजारा, कोटपूतली, नागौर, प्रतापगढ़, फतेहपुर, सरदारशहर, दौसा, मकराना, डीग, हनुमानगढ़, हिंडौन सिटी, बहरोड़, फलोदी, गंगापुर सिटी, सलूंबर और टोंक जैसी परिषदों में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। इनमें कई जगह निर्दलीयों की संख्या इतनी अधिक है कि बोर्ड की चाबी उन्हीं के हाथ में है।

सबसे रोचक मुकाबले

- बारां में भाजपा महज 9 सीटों पर सिमट गई, जबकि कांग्रेस को 17 और अन्य को 34 सीटें मिलीं।
- तिजारा में तो निर्दलीयों ने भाजपा-कांग्रेस दोनों को पीछे छोड़ दिया। 35 में से 31 सीटें अन्य के खाते में गईं।
- मकराना में भी निर्दलीय 36 सीटों के साथ बेहद मजबूत रहे। भाजपा सिर्फ 6 और कांग्रेस 18 पर विजयी रही।
- हनुमानगढ़ में 35 अन्य, हिंडौन सिटी में 39 अन्य और बहरोड़ में 29 अन्य सीटों ने स्पष्ट कर दिया कि निर्दलीय फैक्टर कितना मजबूत है।

नगर परिषद

नगर परिषद	वार्ड	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	बहुमत
बांसवाड़ा	60	34	22	4	बीजेपी
बारां	60	09	17	34	APP
बाड़मेर	55	29	21	05	बीजेपी
ब्यावर	60	23	20	17	-
बूंदी	60	39	12	09	बीजेपी
चित्तौड़गढ़	60	33	23	04	बीजेपी
चूरू	60	30	24	6	-
सुजानगढ़	60	31	09	20	बीजेपी
डीडवाना	40	09	16	15	-
कुचामन सिटी	45	15	17	13	-
धौलपुर	60	11	27	22	-
डूंगरपुर	40	24	12	04	बीजेपी
चौमूं	45	30	12	03	बीजेपी
शाहपुरा	55	20	23	12	-
जैसलमेर	45	25	16	04	बीजेपी
जालोर	40	14	19	07	-
झालावाड़	45	13	29	03	कांग्रेस
झुंझुनूं	60	15	30	15	-
करौली	55	11	28	16	कांग्रेस
भिवाड़ी	60	30	09	21	-
खैरथल	45	08	20	17	-
तिजारा	35	03	01	31	-
कोटपूतली	60	19	13	28	-
नागौर	60	21	15	24	-
प्रतापगढ़	40	17	20	03	-
सवाई माधोपुर	60	33	18	09	बीजेपी
फतेहपुर	55	13	21	21	-
किशनगढ़	60	29	21	10	-
पुष्कर	25	19	04	02	बीजेपी
बालोतरा	55	29	23	03	बीजेपी
निम्बाहेड़ा	45	27	17	01	बीजेपी
सरदारशहर	55	25	22	08	-
दौसा	55	17	24	14	-
लालसोट	35	12	18	05	कांग्रेस
मकराना	60	6	18	36	-
डीग	40	16	00	24	-
गंगानगर	65	30	17	18	-
हनुमानगढ़	60	15	10	35	-
हिंडौन सिटी	60	12	09	39	-
बहरोड़	55	20	06	29	-
फलोदी	40	20	13	07	-
राजसमंद	45	27	14	04	बीजेपी
गंगापुर सिटी	60	17	27	16	-
सलूंबर	25	12	11	02	-
सीकर	65	22	38	05	कांग्रेस
सिरोही	35	10	23	02	कांग्रेस
टोंक	60	19	32	08	कांग्रेस

बेधड़क. जयपुर। प्रदेश के 47 नगर परिषद और 252 नगर पालिकाओं के 10,167 वार्डों के नतीजों में कई निकायों में भाजपा-कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, लेकिन बड़ी संख्या में निकाय ऐसे हैं, जहां किसी दल को बहुमत नहीं मिला। यहां निर्दलीय पार्षद सत्ता की चाबी बन गए हैं। 47 नगर परिषदों में भाजपा ने एक दर्जन से अधिक निकायों में बहुमत हासिल किया, जबकि कांग्रेस 6 परिषदों में बहुमत तक पहुंची। एक नगर परिषद में आम आदमी पार्टी ने भी बहुमत दर्ज कराया। वहीं 252 नगर पालिकाओं में भाजपा ने 65 से अधिक निकायों में बहुमत हासिल किया, जबकि कांग्रेस 33 पालिकाओं में बहुमत तक पहुंची। बाकी निकायों में निर्दलीयों की भूमिका निर्णायक है।

नगर पालिका

नगर पालिका	वार्ड	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	बहुमत
पीसांगन (अजमेर)	25	09	08	08	-
नसीराबाद (अजमेर)	20	09	09	02	-
केकड़ी (अजमेर)	40	18	20	02	-
सरवाड़ (अजमेर)	25	15	10	00	बीजेपी
टांटोटी (अजमेर)	20	14	06	00	बीजेपी
सावर (अजमेर)	20	15	05	00	बीजेपी
मेड़ता सिटी (नागौर)	40	21	12	07	बीजेपी
रियांबाड़ी (नागौर)	20	10	04	06	-
मेड़ता रोड (नागौर)	25	10	08	07	-
डेगाना (नागौर)	25	13	09	03	बीजेपी
जायल (नागौर)	25	03	14	08	कांग्रेस
मूण्डावा (नागौर)	25	10	03	12	-
बासनी (नागौर)	40	00	24	16	कांग्रेस
कुचेरा (नागौर)	25	08	12	05	-
निवाई (टोंक)	40	18	19	03	-
पीपलू (टोंक)	20	10	07	03	-
देवली (टोंक)	35	17	08	10	-
उनियारा (टोंक)	20	05	11	04	कांग्रेस
दूनी (टोंक)	20	12	06	02	बीजेपी
मालपुरा (टोंक)	40	22	06	12	बीजेपी
टोडारायसिंह (टोंक)	35	28	07	00	बीजेपी
डिग्गी (टोंक)	25	14	10	01	बीजेपी
लाम्बाहरिसिंह (टोंक)	20	11	06	03	बीजेपी
विजयनगर (ब्यावर)	40	19	15	06	-
मसूदा (ब्यावर)	20	12	06	02	बीजेपी
जैतारण (ब्यावर)	25	19	06	00	बीजेपी
रायपुर (ब्यावर)	25	18	02	05	बीजेपी
बीगोद (भीलवाड़ा)	25	12	06	07	-
आसींद (भीलवाड़ा)	25	12	08	05	-
गुलाबपुरा (भीलवाड़ा)	35	14	10	11	-
गंगापुर (भीलवाड़ा)	25	09	14	02	कांग्रेस
बनेड़ा (भीलवाड़ा)	20	10	09	01	-
हमीरगढ़ (भीलवाड़ा)	20	08	07	05	-
शाहपुरा (भीलवाड़ा)	35	08	22	05	कांग्रेस
जहाजपुर (भीलवाड़ा)	25	15	03	07	बीजेपी
माण्डलगढ़ (भीलवाड़ा)	20	11	02	07	बीजेपी
बिजोलिया (भीलवाड़ा)	25	12	11	02	-
पावटा-प्रागपुरा (कोट.बहरोड़)	45	16	22	07	-
विराटनगर (कोट.बहरोड़)	25	10	13	02	कांग्रेस
नारायणपुर (कोट.बहरोड़)	35	17	14	04	-
बानसूर (कोट.बहरोड़)	35	06	12	17	-
नीमराना (कोट.बहरोड़)	25	08	07	10	-
मांढण (कोट.बहरोड़)	20	05	01	14	-
बर्डोद (कोट.बहरोड़)	25	08	11	06	-
खाजूवाला (बीकानेर)	20	11	08	01	बीजेपी
नोखा (बीकानेर)	45	13	00	32	-
देशनोक (बीकानेर)	25	07	15	03	कांग्रेस
लूणकरणसर (बीकानेर)	35	23	11	01	बीजेपी
श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)	40	13	15	12	-
नापासर (बीकानेर)	25	10	07	08	-
सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)	45	16	16	13	-
श्रीविजयनगर (श्रीगंगानगर)	25	10	11	04	-
रायसिंहनगर (श्रीगंगानगर)	35	13	11	11	-
अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर)	35	07	16	12	-
घड़साना (श्रीगंगानगर)	25	04	16	05	कांग्रेस
सादुलशहर (श्रीगंगानगर)	25	02	01	22	-
श्रीकरणपुर (श्रीगंगानगर)	25	14	09	02	बीजेपी
केसरीसिंहपुर (श्रीगंगानगर)	20	05	13	02	कांग्रेस
पदमपुर (श्रीगंगानगर)	25	13	11	01	बीजेपी
गजसिंहपुर (श्रीगंगानगर)	20	06	13	01	कांग्रेस
नोहर (हनुमानगढ़)	40	02	20	18	-
भादरा (हनुमानगढ़)	40	16	03	21	-
संगरिया (हनुमानगढ़)	35	02	08	25	-
टिब्बी (हनुमानगढ़)	20	00	08	12	-
रावतसर (हनुमानगढ़)	35	0	17	18	-
गोलूवाला (हनुमानगढ़)	25	11	10	04	-
पीलीबंगा (हनुमानगढ़)	35	18	15	02	बीजेपी
राजगढ़ (चूरू)	40	09	17	14	-
रतन नगर (चूरू)	20	02	14	04	कांग्रेस
छापर (चूरू)	25	12	09	04	-
तारानगर (चूरू)	35	18	12	05	बीजेपी
साहवा (चूरू)	20	08	11	01	कांग्रेस
रतनगढ़ (चूरू)	45	21	16	08	-
राजलदेसर (चूरू)	35	14	14	07	-
बीदासर (चूरू)	35	16	13	06	-
रूपवास (भरतपुर)	25	09	02	14	-
भुसावर (भरतपुर)	25	02	01	22	-
वैर (भरतपुर)	25	03	02	20	-
बयाना (भरतपुर)	35	11	02	22	-
नदबई (भरतपुर)	35	10	00	25	-
उच्चैन (भरतपुर)	25	11	01	13	-
राजाखेड़ा (धौलपुर)	35	09	23	03	कांग्रेस
मनिया (धौलपुर)	25	04	13	03	कांग्रेस
सैपऊ (धौलपुर)	20	06	07	07	-

नगर पालिका

नगर पालिका	वार्ड	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	बहुमत
बसेड़ी (धौलपुर)	25	08	08	09	-
बाड़ी (धौलपुर)	45	08	21	16	-
सरमथुरा (धौलपुर)	25	01	15	09	कांग्रेस
बौंली (स. माधोपुर)	25	12	11	02	-
खण्डार (स. माधोपुर)	25	12	10	03	-
वजीरपुर (स. माधोपुर)	25	09	10	06	-
बामनवास (स. माधोपुर)	20	07	09	04	-
बगरू (जयपुर)	35	16	11	08	-
चाकसू (जयपुर)	35	17	10	08	-
जोबनेर (जयपुर)	20	07	05	08	-
किशनगढ़ रेनवाल (जयपुर)	35	15	12	08	-
फुलेरा (जयपुर)	25	12	07	06	-
सांभर (जयपुर)	25	11	10	04	-
बस्सी (जयपुर)	35	15	12	08	-
दूदू (जयपुर)	25	10	12	03	-
जमवारामगढ़ (जयपुर)	35	18	14	03	बीजेपी
कालाडेरा (जयपुर)	20	12	07	01	बीजेपी
कानोता (जयपुर)	20	06	11	03	कांग्रेस
खेजरोली (जयपुर)	25	06	17	02	कांग्रेस
मनोहरपुर (जयपुर)	35	14	15	06	-
नरैना (जयपुर)	25	07	13	05	कांग्रेस
फागी (जयपुर)	20	07	05	08	-
वाटिका (जयपुर)	25	10	06	09	-
रामगढ़ (अलवर)	35	13	08	14	-
नौगांव (अलवर)	20	13	01	06	बीजेपी
मालाखेड़ा (अलवर)	20	02	09	09	-
बहादुरपुर (अलवर)	25	11	08	06	-
कठूमर (अलवर)	20	05	10	05	-
खेरली (अलवर)	25	19	02	04	बीजेपी
थानागाजी (अलवर)	25	11	07	07	-
राजगढ़ (अलवर)	40	06	03	31	-
लक्ष्मणगढ़ (अलवर)	25	06	04	15	-
गोविन्दगढ़-रामबास	25	12	02	11	-
बड़ौदामेव (अलवर)	25	08	09	08	-
खाटूश्याम जी (सीकर)	20	08	08	04	-
पलसाना (सीकर)	20	14	02	06	बीजेपी
लक्ष्मणगढ़ (सीकर)	45	15	20	10	-
दांता (सीकर)	25	08	11	06	-
नीमकाथाना (सीकर)	40	17	20	03	-
श्रीमाधोपुर (सीकर)	35	19	09	07	बीजेपी
खण्डेला (सीकर)	40	13	18	09	-
रींगस (सीकर)	35	11	05	19	-
अजीतगढ़ (सीकर)	25	08	09	08	-
रामगढ़-शेखावाटी (सीकर)	35	10	18	07	कांग्रेस
लोसल (सीकर)	35	09	16	10	-
धोद (सीकर)	20	10	08	02	-
बग्गड़ (झुंझुनूं)	20	06	03	11	-
सुल्ताना (झुंझुनूं)	25	06	12	07	-
नवलगढ़ (झुंझुनूं)	45	15	24	06	कांग्रेस
जाखल (झुंझुनूं)	20	15	04	01	बीजेपी
मुकुन्दगढ़ (झुंझुनूं)	25	05	10	10	-
डूंडलोद (झुंझुनूं)	20	02	08	10	-
खेतड़ी (झुंझुनूं)	25	08	04	13	-
उदयपुरवाटी (झुंझुनूं)	35	10	11	14	-
पिलानी (झुंझुनूं)	35	03	02	30	-
चिड़ावा (झुंझुनूं)	45	10	13	22	-
मंड्रेला (झुंझुनूं)	25	06	08	11	-
विद्याविहार (झुंझुनूं)	25	04	00	21	-
सूरजगढ़ (झुंझुनूं)	25	08	06	11	-
सिंघाना (झुंझुनूं)	35	09	13	13	-
बुहाना (झुंझुनूं)	20	09	08	03	-
मंडावा (झुंझुनूं)	25	06	16	03	कांग्रेस
बिसाऊ (झुंझुनूं)	25	13	12	00	बीजेपी
मलसीसर (झुंझुनूं)	20	07	10	03	-
बालेसर सत्ता (जोधपुर)	25	15	09	01	बीजेपी
भोपालगढ़ (जोधपुर)	25	09	13	03	कांग्रेस
बिलाड़ा (जोधपुर)	40	24	12	04	बीजेपी
मथानिया (जोधपुर)	25	07	16	02	कांग्रेस
तिंवरी (जोधपुर)	25	13	11	01	बीजेपी
पीपाड़ सिटी (जोधपुर)	35	16	15	04	-
आहोर (जालौर)	25	13	08	04	बीजेपी
सायला (जालौर)	25	17	07	01	बीजेपी
भीनमाल (जालौर)	40	19	08	13	-
सांचौर (जालौर)	35	19	08	08	बीजेपी
सोजत रोड (पाली)	25	14	07	04	बीजेपी
सोजत सिटी (पाली)	40	24	10	06	बीजेपी
रानी खुर्द (पाली)	20	07	08	05	-
मारवाड़ जंक्शन (पाली)	25	11	11	03	-
बाली (पाली)	25	16	02	07	बीजेपी
फालना (पाली)	25	15	08	02	बीजेपी
सादड़ी (पाली)	35	22	10	03	बीजेपी
सुमेरपुर (पाली)	35	19	09	07	बीजेपी
तख्तगढ़ (पाली)	25	12	08	05	-
शिवगंज (सिरोही)	35	18	14	03	बीजेपी
आबूरोड (सिरोही)	40	20	16	04	-

नगर पालिका

नगर पालिका	वार्ड	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	बहुमत
मंडार (सिरोही)	20	07	06	07	-
पिंडवाड़ा (सिरोही)	25	07	13	05	कांग्रेस
माउंट आबू (सिरोही)	25	15	07	03	बीजेपी
रामगंज मंडी (कोटा)	40	24	14	02	बीजेपी
सुकेत (कोटा)	24	10	10	04	-
सांगोद (कोटा)	35	20	11	04	बीजेपी
इटावा (कोटा)	35	14	16	05	-
सुल्तानपुर (कोटा)	25	13	11	01	बीजेपी
अंता (बारां)	35	16	16	03	-
सीसवाली (बारां)	20	06	09	05	-
छबड़ा (बारां)	35	14	12	09	-
मांगरोल (बारां)	35	19	10	06	बीजेपी
अटरू (बारां)	25	10	14	01	कांग्रेस
देई (बूंदी)	20	11	07	02	बीजेपी
इंदरगढ़ (बूंदी)	20	12	08	00	बीजेपी
केशोरायपाटन (बूंदी)	25	12	03	10	-
लाखेरी (बूंदी)	35	16	17	02	-
कापरेन (बूंदी)	25	11	11	03	-
नैनवां (बूंदी)	25	08	11	06	-
हिंडोली (बूंदी)	20	07	11	02	कांग्रेस
झालरापाटन (झालावाड़)	35	22	08	05	बीजेपी
भवानीमंडी (झालावाड़)	40	13	26	01	कांग्रेस
डग (झालावाड़)	20	06	14	00	कांग्रेस
खानपुर (झालावाड़)	25	07	18	00	कांग्रेस
अकलेरा (झालावाड़)	35	25	08	02	बीजेपी
मनोहरथाना (झालावाड़)	20	11	06	03	बीजेपी
पिड़ावा (झालावाड़)	20	06	08	06	-
भींडर (उदयपुर)	25	12	13	00	कांग्रेस
वल्लभनगर (उदयपुर)	20	16	04	00	बीजेपी
फतेहनगर-सनवाड़	25	13	12	00	बीजेपी
कानोड़ (उदयपुर)	20	06	14	00	कांग्रेस
मावली (उदयपुर)	20	09	10	01	-
परतापुर गढ़ी (बांसवाड़ा)	25	11	12	02	-
कुशलगढ़ (बांसवाड़ा)	20	10	09	01	-
बेगूं (चित्तौड़गढ़)	35	24	08	03	बीजेपी
रावतभाटा (चित्तौड़गढ़)	40	17	16	07	-
बड़ी सादड़ी (चित्तौड़गढ़)	25	12	13	00	कांग्रेस
आकोला (चित्तौड़गढ़)	20	07	12	01	कांग्रेस
कपासन (चित्तौड़गढ़)	25	10	13	02	कांग्रेस
नाथद्वारा (राजसमंद)	40	20	19	01	-
आमेट (राजसमंद)	25	14	11	00	बीजेपी
देवगढ़ (राजसमंद)	25	07	16	02	कांग्रेस
भीम (राजसमंद)	20	02	14	04	कांग्रेस
अरनोद (प्रतापगढ़)	20	14	04	02	बीजेपी
छोटी सादड़ी (प्रतापगढ़)	25	13	12	00	बीजेपी
धरियावद (प्रतापगढ़)	20	10	10	00	-
सागवाड़ा (डूंगरपुर)	35	23	08	04	बीजेपी
लाडनूं (डीडवाना)	45	15	17	13	-
बोरावड़ (डीडवाना)	25	11	04	10	-
खाटू खुर्द (डीडवाना)	20	05	11	04	कांग्रेस
परबतसर (डीडवाना)	25	13	12	00	बीजेपी
नावां (डीडवाना)	25	07	10	08	-
मंडरायल (करौली)	20	08	10	02	-
सपोटरा (करौली)	20	15	03	02	-
टोडाभीम (करौली)	35	06	14	15	-
सूरौठ (करौली)	20	02	02	16	-
बांदीकुई (दौसा)	40	10	19	11	-
बसवा (दौसा)	25	11	10	04	-
महुआ (दौसा)	35	17	04	14	-
मंडावर (दौसा)	25	10	08	07	-
सिकराय (दौसा)	25	10	11	04	-
भांडारेज (दौसा)	25	13	03	09	बीजेपी
लवाण (दौसा)	20	07	10	03	-
मंडावरी (दौसा)	20	07	12	01	कांग्रेस
रामगढ़ पचवारा (दौसा)	20	04	13	03	कांग्रेस
पहाड़ी (डीग)	20	07	00	13	-
कामां (डीग)	35	13	01	21	-
सीकरी (डीग)	25	09	00	16	-
कुम्हेर (डीग)	25	09	02	14	-
बृजनगर (डीग)	35	10	01	24	-
किशनगढ़बास (तिजारा)	25	12	05	08	-
मुंडावर (तिजारा)	25	14	07	04	बीजेपी
कोटकासिम (तिजारा)	20	09	02	09	-
टपूकड़ा (तिजारा)	20	09	03	08	-
पोकरण (जैसलमेर)	25	11	12	02	-
चौहटन (बाड़मेर)	20	11	00	09	बीजेपी
जसोल (बालोतरा)	20	11	07	02	बीजेपी
गुड़ामालानी (बालोतरा)	20	11	07	02	बीजेपी
समदड़ी (बालोतरा)	25	14	04	03	बीजेपी
धोरीमन्ना (बालोतरा)	20	14	03	03	बीजेपी
सिवाना (बालोतरा)	25	14	09	02	बीजेपी
सिणधरी (बालोतरा)	20	12	05	03	बीजेपी
बाप (फलोदी)	20	07	06	07	-

गणेश चतुर्थी पर मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु, प्रथम पूज्य ने धारण किया स्वर्ण मंडित मुकुट

गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष से गूंजा जयपुर

बेधड़क | जयपुर

गणपति बप्पा मोरिया, जय श्री गणेश के गगनभेदी उद्घोषों के बीच सोमवार को गणेश चतुर्थी पर गुलाबी नगरी गणेशमय हो उठी। तड़के से ही शहर के प्रमुख गणेश मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने भगवान गणेश के दर्शन कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मोती डूंगरी, गढ़ गणेश, नहर के गणेश, ध्वजाधीश गणेश बड़ी चौपड़, सूरजपोल श्वेत सिद्धि विनायक, गीता गायत्री गणेश मंदिर गलता गेट, काले गणेश चौड़ा रास्ता और लाल डूंगरी गणेश मंदिर सहित घर-घर में गणेश जी की पूजा-अर्चना हुई। श्रद्धालुओं ने सिंदूरी चौला चढ़ाकर चांदी का वर्क लगाया और डंके अर्पित किए। गुड़ धानी का भोग लगाकर आरती उतारी गई। वैष्णव जनों ने दाल-बाटी-चूरमे का भोग लगाया। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सुबह 5 बजे मंगला आरती से दर्शन शुरू हुए और रात 11.40 बजे शयन आरती तक जारी रहे। यहां करीब 14 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। डेढ़ हजार से अधिक पदयात्राएं भी मंदिर पहुंचीं। मंदिर से जेएलएन मार्ग पर जेडीए सर्किल के आगे तक करीब 800 मीटर लंबी कतारें लगी रहीं। एआई कैमरों, स्वयंसेवकों और पुलिस प्रशासन की मदद से व्यवस्थाएं संभाली गईं। मंदिर रंग-बिरंगी लाइटिंग, झालरों और पुष्प सज्जा से जगमगा रहे थे। बारिश ने भी श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत दी।

मोती डूंगरी में 19 घंटे तक खुले पट, 14 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में लगी भक्तों की लाइन।

फोटो: पंकज शर्मा

मुख्यमंत्री ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में किए दर्शन

फोटो: राजेश कुमावत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर मोती डूंगरी मंदिर में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कामना की है कि विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी की कृपा से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि आए।

1108 मोदकों का भोग

खिरनी फाटक स्थित रिद्धि-सिद्धि गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी पर विशेष धार्मिक आयोजन हुआ। भगवान गणेश का पंचामृत अभिषेक कर पन्नी एवं गोटों से आकर्षक झांकी सजाई गई। गणपति को 1108 मोदकों का भोग अर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। हाथोज धाम पीठाधीश्वर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने भी पूजा कर देश-प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में मुख्यमंत्री के सचिव जितेन्द्र सोनी को दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन करते महंत कैलाश शर्मा।

आज नगर भ्रमण पर निकलेंगे मोती डूंगरी के राजा

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में चल रहे गणेशोत्सव का समापन 15 सितंबर को भगवान गणेशजी के नगर भ्रमण से होगा। स्वर्ण मंडित रथ में सवार गणेशजी की शोभायात्रा मंगलवार शाम को मंदिर से रवाना होगी। यात्रा एमडी रोड, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, गणगौरी बाजार और नाहरगढ़ रोड होते हुए गढ़ गणेश मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण और हनुमानजी सहित देवी-देवताओं की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। गणेश शोभायात्रा के चलते 15 सितंबर को शाम 4 बजे से परकोटा क्षेत्र में यातायात डायवर्ट रहेगा। त्रिमूर्ति सर्किल-जेडीए चौराहा, आरबीआई तिराहा-गणेश मंदिर और धर्मसिंह सर्किल-गणेश मंदिर मार्ग नो-व्हीकल जोन रहेंगे। एमडी रोड, जौहरी बाजार सहित शोभायात्रा मार्ग पर नो-पार्किंग रहेगी। परकोटा में भारी वाहन और सिटी बसों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है।

अबूझ मुहूर्त में जमकर खरीदारी

परकोटा गणेशजी मंदिर में नए वाहनों की पूजा करते पुजारी।

अबूझ मुहूर्त होने से गणेश चतुर्थी पर बड़ी संख्या में वाहनों की खरीदारी हुई। गृह प्रवेश, दुकानों के शुभारंभ और नींव पूजन के कार्यक्रम हुए। मॉल्स व बाजारों में चहल पहल रही। ज्वेलरी खरीदने के लिए भी लोग शॉप्स पर पहुंचे।

नहर के गणेश मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान

नहर के गणेश मंदिर में महंत जय शर्मा के सान्निध्य में अनेक धार्मिक अनुष्ठान हुए। युवाचार्य मानव शर्मा ने बताया कि भगवान को राजशाही पोशाक धारण कराकर स्वर्ण मंडित मुकुट धारण कराकर मंगला आरती के साथ उत्सव प्रारंभ हुआ। अभिषेक पूजन के बाद छप्पन भोग बैंड वादन आतिशबाजी के साथ दर्शनार्थियों ने बप्पा के जन्मोत्सव का आनंद लिया। दिनभर मंदिर में भक्तों ने दर्शन किए। मोदकों का भोग लगाया। परकोटा गणेश मंदिर चांदपोल में महंत अमित शर्मा के सानिध्य में भगवान को सोने के वर्क से सुसज्जित कर छप्पन भोग की झांकी सजाई गई।

गढ़ गणेश: 365 सीढ़ियां चढ़ मंदिर पहुंचे श्रद्धालु

ब्रह्मपुरी स्थित श्री गढ़ गणेश मंदिर में गणपति जन्मोत्सव पर हजारों श्रद्धालु पहुंचे। महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में पंचामृत अभिषेक, विशेष श्रृंगार, सहस्त्र दुर्वाचन और सहस्त्र मोदक अर्पित किए गए। बाल स्वरूप में भगवान के दर्शन हुए। श्रद्धालु 365 सीढ़ियां चढ़कर सुबह से देर रात तक दर्शन के लिए पहुंचते रहे।

आमेर में किया गज पूजन

गणेश चतुर्थी पर आमेर में हाथी वीरु की पूजा-अर्चना की गई। हाथी के मालिक बंटी शर्मा ने वीरु के माथे पर तिलक लगाकर माला पहनाई और स्वस्तिक का चिह्न बनाया। बंटी ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर वीरु को गणेश स्वरूप मानकर पूरे श्रद्धाभाव से पूजा की गई। इस दौरान वीरु को देखने के लिए आसपास मौजूद लोगों में भी उत्साह नजर आया।

गलता गेट स्थित गीता गायत्री मंदिर में सजी गणेशजी की झांकी।

आज का पंचांग

- शुभ वि. सं. : 2083
- हिजरी सन: 1448
- ऋतु: शरद ऋतु
- संवत्सर का नाम: रौद्र
- मास: भाद्रपद
- पक्ष: शुक्लपक्ष
- शाके संवत: 1948
- अयन: सूर्य दक्षिणायन

आज का दिन

मंगलवार, 15 सितंबर, 2026

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

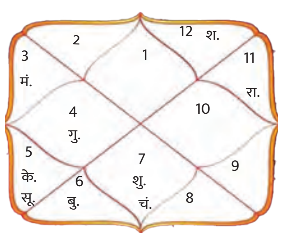

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज चर का चौघड़िया सुबह 9.19 से 10.51 बजे तक है। इसके बाद में लाभ-अमृत का चौघड़िया सुबह 10.51 से दोपहर 1.54 बजे तक, शुभ का 3.25 से 4.57 बजे तक है। इनमें शुभ कार्य कर सकते हैं।

अभिजीत: आज 11.51 से 12.40 बजे तक है।

तिथि: आज चतुर्थी तिथि सुबह 7.45 बजे तक रहेगी। इसके बाद में पंचमी तिथि रहेगी।

दिशाशूल: उत्तर दिशा में रहेगा।

चंद्रमा: आज चंद्रमा तुला राशि में रहेगा।

राहु काल: आज दोपहर 3.00 से 4.30 बजे तक रहेगा।

नक्षत्र: स्वाती नक्षत्र दोपहर 3.21 बजे तक, फिर विशाखा नक्षत्र रहेगा।

योग: ऐन्द्र योग दोपहर 12.20 बजे तक, इसके बाद में वैधृति योग रहेगा।

शुभाशुभ ज्ञान

भद्रा सुबह 7.45 बजे तक पाताल लोक की लाभप्रद, ऋषि पंचमी, भाई पांच, जैन संवत्सरी पंचमी पक्ष, मेला गढ़ गणेशजी का जयपुर में, 12 दिवसीय मेला श्री केला देवी का करौली में प्रारंभ, ऋषि गर्ग अंगिरा जयंती, रक्षा पंचमी बंगाल में, गुरु पंचमी उड़ीसा में, इंजीनियर्स दिवस, रवि योग दोपहर 3.21 बजे तक, कुमार योग दोपहर 3.21 बजे से। -पं. अवधेश शर्मा

शहर में आज

- मोती डूंगरी गणेश मंदिर में गणेश जन्मोत्सव पर शोभायात्रा शाम 4 बजे।
- दक्षिण परिसर जेकेके में हैंडी क्राफ्ट प्रदर्शनी सुबह 11 बजे।
- नहर के गणेश मंदिर ब्रह्मपुरी में ऋषि पंचमी पर सप्त ऋषि पूजन सुबह 11 बजे।

औषधीय धन्वंतरि गणपति की स्थापना

जयपुर। टोंक रोड स्थित श्री पिंजरापोल गोशाला के वैदिक औषधीय पादप केंद्र में गणपति स्थापना महोत्सव हुआ। गाय के गोबर, प्राकृतिक मिट्टी और औषधीय बीजों से निर्मित 'औषधीय धन्वंतरि गणपति' की स्थापना की गई। प्रतिमा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बनाई। इसमें तुलसी की पांच प्रजातियों के साथ शतावरी, मोरिंगा और नागौरी अश्वगंधा के बीज शामिल हैं। अखिल भारतीय गोशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता के नेतृत्व में महाआरती हुई। प्रतिमा का विसर्जन जलाशय में नहीं, मिट्टी में किया जाएगा, ताकि बीज अंकुरित होकर पौधे बन सकें।

राज्यपाल ने गणेशोत्सव समारोह में लिया भाग

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को अजमेर रोड स्थित बाल निवास गार्डन में आयोजित गणेशोत्सव समारोह में भाग लिया। उन्होंने भगवान गणेश की प्रतिमा को नमन कर पूजन किया और प्रदेशवासियों की समृद्धि, संपन्नता एवं खुशहाली की कामना की। राज्यपाल ने भगवान गणेश से सभी के मंगल की प्रार्थना भी की। राज्यपाल ने समारोह में गणेश महोत्सव के तहत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को भगवान श्री गणेश की तस्वीर भेंट की।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में 137 यूनिट रक्तदान

जयपुर। अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा राजस्थान प्रदेश की ओर से रविवार को 11वां स्वैच्छिक रक्तदान एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। महिला प्रकोष्ठ के नेतृत्व में हुए शिविर में युवाओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में कुल 137 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। रक्तदान के साथ आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। आयोजन का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रणजीत सिंह सोडाला एवं उद्योगपति दिवाकर चंदोला उपस्थित रहे।

समाजसेवियों का किया सम्मान

सामूहिक गोठ व महेश मेले का आयोजन

बेधड़क | जयपुर

श्री माहेश्वरी समाज जयपुर की ओर से विद्याधर नगर स्टेडियम में सामूहिक गोठ एवं महेश मेले का आयोजन किया गया। इसमें करीब 8 हजार समाजबंधुओं ने भाग लिया। सभी ने साथ बैठकर चूरमे का आनंद लिया और आपसी मेल-मिलाप के साथ सामाजिक एकता का संदेश दिया। आयोजन में 'अन्न का सम्मान' पहल के तहत भोजन की बर्बादी रोकने और अन्न के प्रत्येक दाने का सम्मान करने का संदेश दिया गया। महेश मेले में बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए खेलकूद और मनोरंजन की व्यवस्था की गई। करीब 70 से 80 स्टॉल लगाए गए। इनमें खान-पान, खेल, मनोरंजन और खरीदारी की गतिविधियां शामिल रहीं। समाज अध्यक्ष उमेश सोनी और महामंत्री सीए रोहित परवाल ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य समाजबंधुओं को एक मंच पर लाकर आपसी भाईचारा मजबूत करना है। समाज और राष्ट्रहित में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजबंधुओं को भारत गौरव और समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। गोठ संयोजक विनोद लढ्ढा सहित समाज पदाधिकारियों, महिला परिषद, नवयुवक मंडल और कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।

श्रद्धालुओं को मिलेगा सवा करोड़ राम नाम से अभिमंत्रित रक्षा सूत्र

भन्दे के बालाजी की पद यात्रा 19 को

बेधड़क | जयपुर

भन्दे बालाजी धाम की 41वीं विशाल पैदल यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बार पदयात्रा में शामिल होने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सवा करोड़ श्रीराम नाम जाप से अभिमंत्रित श्री राम रक्षा सूत्र भेंट किया जाएगा। यह रक्षा सूत्र श्रद्धालुओं के लिए श्रीराम नाम की भक्ति का विशेष प्रतीक रहेगा। पैदल यात्रा 19 सितंबर सुबह 8:15 बजे सोडाला पुराना थाना के पास स्थित बैकुंठनाथ मंदिर से रवाना होगी। यात्रा को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही हैं। श्रद्धालु जय श्रीराम और बालाजी महाराज के जयकारों के साथ भन्दे बालाजी धाम की ओर प्रस्थान करेंगे।

विधि-विधान से शुरू हुआ श्रीराम नाम जाप

श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति के संस्थापक संत अमरनाथ महाराज के सान्निध्य में पंडित रामू महाराज ने रक्षा सूत्रों का पूजन कर श्रीराम नाम जाप शुरू किया। पदयात्रा में भन्दे बालाजी महाराज के रथ के साथ रक्षा सूत्रों के लिए विशेष रथ भी चलेगा। इसमें रामधुनी और श्रीराम नाम का जाप होगा, जिससे यात्रा मार्ग भक्तिमय रहेगा।

राम रक्षा सूत्र का वितरण 22 को

राम रक्षा सूत्रों को लेकर श्रद्धालुओं में भी विशेष उत्साह है। सवा करोड़ श्रीराम नाम जाप से अभिमंत्रित रक्षा सूत्र पदयात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को भेंट किया जाना इस यात्रा का विशेष आकर्षण रहेगा। श्रद्धालु इस रक्षा सूत्र को श्रीराम नाम और भन्दे बालाजी महाराज के आशीर्वाद के रूप में ग्रहण करेंगे। 22 सितंबर को सुबह यज्ञशाला में हवन किया जाएगा। इसके बाद हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ के पश्चात श्रद्धालुओं को राम रक्षा सूत्र वितरित किए जाएंगे।

श्रीराम महायज्ञ में दीं आहुतियां

बेधड़क | जयपुर

शास्त्री नगर की विश्वकर्मा कॉलोनी के चैतन्य महादेव मंदिर पार्क में धर्म जागरण परिषद की ओर से आयोजित 770वें 11 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ में हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान से यज्ञ में आहुति देकर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि यज्ञ सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। यज्ञ से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के जरिए नई पीढ़ी को संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने धर्म जागरण परिषद के सनातन संस्कृति, धर्म एवं समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। कहा कि महायज्ञ जैसे आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ सेवा, संस्कार और सद्भाव का संदेश देते हैं। आयोजन में रामलाल वाल्मीकि, मुकेश कुमार भार्गव, लाल बिहारी तिवारी, श्यामलाल टांक सहित हिम्मत सिंह, दीपक सैन, मुकेश राजावत, प्रभातीलाल बगड़ा, सुभाष शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

जयपुर नगर निगम के विजयी चेहरे

वार्ड	विजयी	पार्टी	प्राप्त वोट	जीत का अंतर	हारे	पार्टी	वोट
01	मोहन लाल कुमावत	निर्दलीय	2905	572	मयंक शर्मा	निर्दलीय	2333
02	मणिराज सिंह	कांग्रेस	5550	415	हनुमान प्रसाद सैनी	भाजपा	5135
03	भवानी शंकर शर्मा	भाजपा	4883	1148	हरि शंकर बोहरा	निर्दलीय	3735
04	पिंकी देवी शर्मा	भाजपा	7172	4613	ललिता सैनी	निर्दलीय	2559
05	देवेन्द्र सिंह निठारवाल	निर्दलीय	3903	810	नरेन्द्र सिंह शेखावत	भाजपा	3093
06	स्नेह लता साबू	भाजपा	3991	1426	मधु बाला शर्मा	कांग्रेस	2565
07	पूनम शर्मा	कांग्रेस	4362	671	पूजा	भाजपा	3691
08	मंजू शर्मा	निर्दलीय	4111	1282	सुमन अग्रवाल	भाजपा	2829
10	पलक यादव	भाजपा	4063	925	वन्दना	कांग्रेस	3138
11	शैलेन्द्र शर्मा	भाजपा	3453	446	प्रेम सिंह	कांग्रेस	3007
12	राजेन्द्र कुमार सैनी	भाजपा	4533	1140	पंकज कुमार सैनी	कांग्रेस	3393
13	रणवीर सिंह राजावत	निर्दलीय	4719	233	धनराज सैनी	कांग्रेस	4486
14	दिग्विजय सिंह	भाजपा	5355	266	हाकिम सिंह	कांग्रेस	5089
15	विक्रम सिंह शेखावत	भाजपा	3233	538	बद्री नारायण कुमावत	कांग्रेस	2695
16	महेश कुमार संघी	भाजपा	4071	2457	राजेश अत्री	कांग्रेस	1614
17	सुमेर सिंह	भाजपा	4579	552	भूपेन्द्र सिंह	कांग्रेस	4027
19	मो. फारूख	कांग्रेस	3581	463	शाहनवाज	भाजपा	3118
20	उदिता सिंह चौहान	भाजपा	4684	26	मोनिका सैनी	कांग्रेस	4658
21	राकेश लाटा शर्मा	कांग्रेस	4185	127	अजय सिंह चौहान	भाजपा	4058
22	विरेन्द्र सिंह शेखावत	भाजपा	4290	392	करणवीर शेखावत	कांग्रेस	3898
23	विकास बारेठ	भाजपा	2033	186	अम्बादान सिंह	निर्दलीय	1847
24	आनन्द सिंह खेड़ी	भाजपा	4199	118	विनोद	निर्दलीय	4081
26	सुशीला	निर्दलीय	7944	357	अनिता देवी	कांग्रेस	7587
27	शंकर लाल यादव	भाजपा	3762	219	सुरेश चोपड़ा	आरएलपी	3543
28	रविन्द्र सिंह शेखावत	कांग्रेस	2813	197	शक्ति सिंह मानपुरा	भाजपा	2616
30	युवराज राठौड़	भाजपा	2921	622	रविन बुडानिया	कांग्रेस	2299
31	विजय अग्रवाल	भाजपा	2424	963	जय कुमार जैन	कांग्रेस	1461
32	सीमा	कांग्रेस	3987	859	स्वेता सुरोलिया	भाजपा	3128
33	सीमा यादव	भाजपा	3120	649	प्रियंका यादव	कांग्रेस	2471
35	अमर चन्द कुमावत	निर्दलीय	4828	1461	अनिल माथुर	कांग्रेस	3367
36	गजेंद्र सिंह शेखावत	भाजपा	6442	2269	रतन चौपड़ा	कांग्रेस	4173
37	देवी लाल कासोटिया	कांग्रेस	6575	3092	कमल किशोर काला	भाजपा	3483
38	गणेश नारायण जाट	भाजपा	6791	2304	रामसिंह	कांग्रेस	4487
39	अजय सैनी	कांग्रेस	6472	547	भंवर लाल लील	भाजपा	5925
40	नीरज कुमार गर्ग	भाजपा	5312	1560	मनीष कुमार शर्मा	कांग्रेस	3752
41	दया सिंह	भाजपा	5402	2553	पंकज वर्मा	कांग्रेस	2849
42	अशोक रावतानी	भाजपा	4280	2531	चंद्रवीर सिंह	कांग्रेस	1749
43	शैलेंद्र भार्गव	भाजपा	3058	262	आशीष शर्मा	कांग्रेस	2796
44	नवीन कुमार भंडारी	भाजपा	4046	2046	विनय प्रताप सिंह भोपर	कांग्रेस	2000
45	सुभाष चन्द्र नोनिहाल	कांग्रेस	3280	112	जसवंत बैरवा	भाजपा	3168
46	शिव कान्ता पाण्डेय	भाजपा	3250	1761	सपना	निर्दलीय	1489
47	दीपा नाथावत	भाजपा	2897	206	दामोदर मीना	कांग्रेस	2691
48	सिद्धार्थ तोंदवाल	भाजपा	5152	3313	हरीओम स्वर्णकार	निर्दलीय	1839
49	धर्मसिंह	कांग्रेस	8382	482	मुकेश	भाजपा	7900
50	प्रहलाद चावला	भाजपा	6570	1840	निर्मला बैरवा	कांग्रेस	4730
51	मनमोहन गुर्जर	कांग्रेस	7046	1665	महेंद्र कुमार छीपा	भाजपा	5381
52	हनुमान सैनी	कांग्रेस	5899	63	पूरण चन्द	भाजपा	5836
53	सतीश कुमार शर्मा	भाजपा	4110	469	राजीव चौधरी	कांग्रेस	3641
54	कमल किशोर	भाजपा	3993	1660	प्रियंका बैद	कांग्रेस	2333
55	रिंकू उमरवाल	भाजपा	4967	1264	संजय कुमार बैरवा	कांग्रेस	3703
56	शारदा	कांग्रेस	4760	348	रेखा सैनी	भाजपा	4412
57	गिर्राज प्रसाद शर्मा	भाजपा	7015	1952	अमित सैनी	कांग्रेस	5063
58	सरोज वर्मा	भाजपा	6632	2520	रामप्यारी	कांग्रेस	4112
59	दुर्गा देवी	कांग्रेस	5578	740	बबली वर्मा	भाजपा	4838
60	रामफूल मीणा	कांग्रेस	8572	3672	गिर्राज प्रसाद मीणा	भाजपा	4900
61	सुरेश मीना	कांग्रेस	3524	439	रामलाल मीना	भाजपा	3085
62	रामअवतार शर्मा	भाजपा	5791	1080	हजारी	कांग्रेस	4711
63	प्रभु दयाल	कांग्रेस	3976	1251	अजय टेपन	भाजपा	2725
64	सुरेश मीना	भाजपा	5139	2282	कैलाश मीना	कांग्रेस	2857
65	मुकेश कुमार	कांग्रेस	4314	1491	मुकेश कुमार राणा	भाजपा	2823
66	नारायण लाल निनावत	भाजपा	2620	143	महेश चंद कराडिया	कांग्रेस	2477
67	अरुण शर्मा	भाजपा	4532	916	योगिता शर्मा	कांग्रेस	3616
68	मौसमी मीणा	भाजपा	5664	663	गीता देवी मीणा	कांग्रेस	5001
69	बीना देवी	कांग्रेस	6639	2629	पूनम सोयल	भाजपा	4010
70	सुशीला	भाजपा	4771	350	उर्मिला शर्मा	कांग्रेस	4421
71	फैज़ हसन	कांग्रेस	5426	170	मोहम्मद सलीम	निर्दलीय	5256
72	सुमन मरेठा	कांग्रेस	4343	2364	रचना कलोसिया	निर्दलीय	1979
73	जयश्री अग्रवाल	भाजपा	2045	252	उषा वाधवा	निर्दलीय	1793
74	रामपाल	भाजपा	3540	1495	बाबू लाल चौधरी	निर्दलीय	2045
75	पूजा सनमुखानी	भाजपा	2595	609	राजुला सिंह	निर्दलीय	1986
76	पुनीत कर्णावट	भाजपा	4596	2218	प्रदीप जैन	कांग्रेस	2378
77	प्रेम कुमार जैन	भाजपा	4271	484	किरण	कांग्रेस	3787
78	श्याम सुंदर शर्मा	भाजपा	4376	2385	अभिषेक सैनी	कांग्रेस	1991
79	प्रवीण कुमार	कांग्रेस	3109	136	अनिल गोटवाल	भाजपा	2973
80	रेनू	निर्दलीय	3509	645	दलजीत कौर	भाजपा	2864
81	ब्रह्म कुमार	भाजपा	2830	1612	राहुल तंवर	कांग्रेस	1218
82	महेश चन्द यादव	कांग्रेस	2188	356	ममता यादव	भाजपा	1832
83	चन्द्र प्रकाश कुमावत	कांग्रेस	3020	174	नटवर लाल कुमावत	भाजपा	2846
84	भरत कुमार	कांग्रेस	3012	274	हेमराज	भाजपा	2738
85	प्रेम चन्द	भाजपा	4746	904	महेन्द्र पाल सिंह	कांग्रेस	3842
86	तारा देवी बेनीवाल	कांग्रेस	4372	569	उषा टाटिवाल	भाजपा	3803
87	प्रतिभा शर्मा	भाजपा	3537	459	अर्चना शर्मा	कांग्रेस	3078
88	शशि कुमारी मिश्र	भाजपा	3718	527	श्रुति शर्मा	कांग्रेस	3191
89	भवानी सिंह राजावत	भाजपा	2609	669	प्रकाश शर्मा	कांग्रेस	1940
90	सरोज कंवर	भाजपा	6649	2208	ममता	कांग्रेस	4441
91	सीताराम मेहरा	कांग्रेस	4812	568	विनोद कुमार यादव	भाजपा	4244
92	शीला शर्मा	भाजपा	4147	1774	उषा	कांग्रेस	2373
93	जितेन्द्र शर्मा	कांग्रेस	1507	305	चन्द्र प्रकाश कुमावत	निर्दलीय	1202
94	संतोष सूद	कांग्रेस	7382	2833	सुनीता मेहरा	भाजपा	4549
95	मानवेन्द्र सिंह शेखावत	कांग्रेस	3141	250	अमित कुमार चौधरी	भाजपा	2891
96	मो. वसीम	कांग्रेस	6319	2093	अमित सारवान	भाजपा	4226
97	शशि प्रकाश शर्मा	भाजपा	4268	1380	महेंद्र सिंह	कांग्रेस	2888
98	सुभाष चन्द्र सिंगी	भाजपा	2707	400	राजकुमार शर्मा	कांग्रेस	2307
99	सत्येन्द्र सिंह राठौड़	कांग्रेस	6044	1016	मनीष पारीक	भाजपा	5028
100	कविता शर्मा	भाजपा	5035	2845	विनिता	कांग्रेस	2190
101	रवि शंकर	भाजपा	3707	76	दुर्गेश कुमार शर्मा	कांग्रेस	3631
102	शीला गुर्जर	कांग्रेस	2470	123	आरती गुर्जर	भाजपा	2347
103	मो. हनीफ	कांग्रेस	4645	1397	रफ़ीक खान	निर्दलीय	3248
104	ज्ञान चंद खण्डेलवाल	भाजपा	3586	405	अब्दुल लतीफ़ कुरैशी	कांग्रेस	3181
105	महेश तंबोली	कांग्रेस	5553	2366	हंसराज चौहान	भाजपा	3187
106	चन्द्र प्रकाश	भाजपा	3476	836	जुगल किशोर	कांग्रेस	2640
107	अनुराधा माहेश्वरी	भाजपा	4082	2007	खुशबू शर्मा	कांग्रेस	2075
108	संगीता शर्मा	निर्दलीय	3661	653	मेहरुन्निसा	कांग्रेस	3008
109	मोहम्मद रईस खान	निर्दलीय	5150	558	मोहम्मद अयूब	कांग्रेस	4592
110	सुनीता मेठी	कांग्रेस	4866	2706	ज्योति खंडेलवाल	भाजपा	2160
111	संजय	भाजपा	4981	545	नरेश शर्मा	निर्दलीय	4436
112	सुनील	भाजपा	4306	906	आशीष	कांग्रेस	3400
113	गजनफर अली	कांग्रेस	14666	10014	अब्दुल वाहिद	निर्दलीय	4652
114	मो. जकारिया	कांग्रेस	6377	1860	नवीन शर्मा	भाजपा	4517
115	सूरज गोडीवाल	भाजपा	3671	1093	सुरेश बिवाल	कांग्रेस	2578
116	संजीदा	कांग्रेस	9046	5310	लक्ष्मी देवी	भाजपा	3736
117	संजीदा बेगम	कांग्रेस	9749	4237	शवाब जहां	भाजपा	5512
118	सुनीता गुप्ता मावर	कांग्रेस	3165	676	विकास कोठारी	कांग्रेस	2489
119	इरफान कुरैशी	कांग्रेस	4916	1081	अकबरदीन	निर्दलीय	3835
120	श्याम सुन्दर सैनी	भाजपा	4011	1088	शीला सैनी	कांग्रेस	2923
121	नीरज अग्रवाल	भाजपा	3306	2137	महेश ठाकुरिया	निर्दलीय	1169
122	घनश्याम चंदलानी	भाजपा	3851	1279	राजकुमार संगतानी	कांग्रेस	2572
123	पूनम मेहता	भाजपा	4358	2944	अंजू जायसवाल	कांग्रेस	1414
124	कान्ता	कांग्रेस	4277	05	मनभरी	भाजपा	4272
125	मन्जो बानो	कांग्रेस	7561	6704	लक्ष्मी देवी	भाजपा	857
126	सोफिया बानो	कांग्रेस	8719	7153	रीना उमरवाल	भाजपा	1566
127	बादल	कांग्रेस	4004	52	आलोक खंडेलवाल	भाजपा	3952
128	मोहम्मद इशाक	निर्दलीय	8220	4531	मोहम्मद सोहेल मंसूरी	कांग्रेस	3689
129	महेश कुमार सामरिया	कांग्रेस	7999	5355	निखिल बसवाल	भाजपा	2644
130	सूरज कुमार शर्मा	भाजपा	4207	1388	राकेश मीना	निर्दलीय	2819
131	कैलाश चंद मीणा	भाजपा	4379	1699	पुष्पेन्द्र मीना	कांग्रेस	2680
132	दशरथ अटल	कांग्रेस	4322	353	रामजी लाल शेरसिया	निर्दलीय	3969
133	सीमा सुरेश पारीक	भाजपा	5044	1063	गुड्डी देवी	कांग्रेस	3981
134	प्रकाश सैनी	भाजपा	5875	130	यशपाल गुर्जर	कांग्रेस	5745
135	विमल अग्रवाल	भाजपा	7115	440	रवि कुमार शर्मा	कांग्रेस	6675
136	जमीला बेगम	निर्दलीय	6922	2113	शबनम फारूख	कांग्रेस	4809
137	सलमान मंसूरी	कांग्रेस	5653	1980	मो. असलम फारूकी	निर्दलीय	3673
138	दीपिका शर्मा	कांग्रेस	3352	802	ममता	भाजपा	2550
139	रेनू खण्डेलवाल	भाजपा	5080	1524	गीतांजलि	कांग्रेस	3556
140	भूपेंद्र कुमार मीना	निर्दलीय	5312	948	राम कृष्ण शर्मा	भाजपा	4364
141	सतीश कुमार	भाजपा	5812	609	उषा	कांग्रेस	5203
142	भगवती	भाजपा	6734	2438	मीना	कांग्रेस	4296
143	जायदा बानो चिराणिया	कांग्रेस	6957	3832	सिमरन बानो	निर्दलीय	3125
144	आशीष साहू	भाजपा	2670	1038	उत्तम चन्द	कांग्रेस	1632
145	वंदना जोशी	भाजपा	4947	3036	अर्चना चतुर्वेदी	कांग्रेस	1911
146	फिरोज	निर्दलीय	5501	1975	अफरोज	कांग्रेस	3526
147	रशीद अली	कांग्रेस	6159	1508	अब्दुल वहीद खान	निर्दलीय	4651
148	बरखा देवी	निर्दलीय	6928	1508	आशा सैनी	कांग्रेस	5420
149	सीनु पारीक	भाजपा	7920	3190	अंजली ब्रह्मभट्ट	कांग्रेस	4730
150	हीरा देवी	कांग्रेस	3857	426	शालू मीणा	भाजपा	3431

सच बेधड़क
जयपुर, मंगलवार, 15 सितंबर, 2026

शेफाली-मंधाना की तूफानी बल्लेबाजी, दीप्ति-श्री चरणी की फिरकी ने दिलाई यादगार जीत

2024 का हिसाब किया चुकता एशिया कप पर भारत का कब्जा

सिद्धार्थ महान
खेल समीक्षक

"भारत ने उस टूर्नामेंट में कई सवालों के जवाब दिए हैं। बल्लेबाजी में शुरुआत मजबूत रही, बीच के ओवरों में टीम ने स्थिति के हिसाब से खेला और गेंदबाजी में स्पिनरों ने लगातार दबाव बनाया। सबसे अहम बात यह रही कि टीम ने फाइनल में दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। हैंडशेक हुआ या नहीं, ट्रॉफी किसने दी या किसने नहीं दी, यह बहस शायद एशिया कप खत्म होने के बाद भी चलती रहेगी। यह टूर्नामेंट का एक अलग अध्याय है और उस पर अलग नजरिए से चर्चा हो सकती है। लेकिन मैदान पर भारतीय महिला टीम की कहानी कहीं ज्यादा सीधी है। शेफाली और मंधाना ने बल्ले से शुरुआत की, दीप्ति और श्री चरणी ने गेंद से कहानी पूरी की और हरमनप्रीत की टीम ने आठवीं बार एशिया कप जीत लिया।"

एशिया कप का फाइनल खत्म हो गया, भारत चैंपियन बन गया और ट्रॉफी एक बार फिर भारतीय महिला क्रिकेट की झोली में आ गई। फर्क सिर्फ इतना रहा कि इस बार भी ट्रॉफी हाथ में लेकर तस्वीर खिंचवाने का मौका टीम को नहीं मिला। हैंडशेक का विवाद इस टूर्नामेंट में लगातार चर्चा में रहा। भारतीय टीम पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल नहीं हुई और एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी स्वीकार नहीं की। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारत ने नकवी से एशिया कप की ट्रॉफी लेने से इनकार किया है।

लेकिन अगर एशिया कप को क्रिकेट के नजरिए से देखा जाए, तो भारतीय टीम ने इस पूरे विवाद से कहीं ज्यादा बड़ा जवाब मैदान पर दिया है। दुबई में श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 72 रन की शानदार जीत के साथ भारत ने रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। यह जीत इसलिए भी खास थी क्योंकि सामने वही श्रीलंकाई टीम थी, जिसने 2024 के फाइनल में भारत को आठ विकेट से हराकर पहली बार एशिया कप जीता था। उस हार के दो साल बाद भारत ने उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ फाइनल में ऐसा प्रदर्शन किया, जिसमें मुकाबला लंबे समय तक मुकाबला लगा ही नहीं।

श्रीलंका ने 2024 में भारत के 165 रन के स्कोर को 18.4 ओवर में हासिल कर लिया था। चमारी अटापट्टू और हर्षिता समरविक्रमा ने उस दिन भारत से खिताब छीन लिया था। इस बार कहानी बिल्कुल अलग थी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रन बनाए और फिर श्रीलंका को सिर्फ 111 रन पर समेट दिया। दो साल पहले जो टीम खिताब जीतकर भारतीय टीम को मायूस छोड़ गई थी, इस बार वही टीम 72 रन से हारकर मैदान से बाहर गई। इसलिए इसे बदले की जीत कहने से ज्यादा सही शायद यही होगा कि भारत ने 2024 की उस हार का शानदार जवाब दिया और हिसाब बराबर किया। इस जीत की नींव भारत के सलामी बल्लेबाजों ने रखी। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने पहले विकेट के लिए 129 रन जोड़ दिए। शुरुआत से ही दोनों ने श्रीलंकाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। मंधाना ने 39 गेंदों पर 59 रन बनाए, जबकि शेफाली ने 39 गेंदों पर 68 रन की आक्रामक पारी खेली। शेफाली ने सिर्फ 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो महिला टी20 एशिया कप के इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक था।

"दो साल पहले जो टीम खिताब जीतकर भारतीय टीम को मायूस छोड़ गई थी, इस बार वही टीम 72 रन से हारकर मैदान से बाहर गई। इसलिए इसे बदले की जीत कहने से ज्यादा सही शायद यही होगा कि भारत ने 2024 की उस हार का शानदार जवाब दिया और हिसाब बराबर किया। इस जीत की नींव भारत के सलामी बल्लेबाजों ने रखी। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने पहले विकेट के लिए 129 रन जोड़ दिए। शुरुआत से ही दोनों ने श्रीलंकाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया।"

यह साझेदारी सिर्फ बड़ी नहीं थी, बल्कि इसने फाइनल का मूड तय कर दिया था। मंधाना ने पारी को आकार दिया तो शेफाली ने श्रीलंकाई गेंदबाजों को लगातार पीछे धकेला। भारत के पास शुरुआत में ही वह स्कोरबोर्ड दबाव आ गया, जिसकी फाइनल जैसे मुकाबले में जरूरत होती है। 20 ओवर के बाद भारत 5 विकेट पर 183 रन तक पहुंच चुका था। लक्ष्य श्रीलंका के लिए आसान नहीं था और भारतीय गेंदबाजों ने इसे और मुश्किल बना दिया। श्री चरणी ने चार विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी को तोड़ दिया, जबकि दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लिए। भारत के स्पिन आक्रमण ने श्रीलंका के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया और पूरी टीम 20 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई।

फाइनल में भारत की जीत किसी एक खिलाड़ी की कहानी नहीं थी। यही इस एशिया कप की सबसे अच्छी तस्वीर भी रही। जब मंधाना नहीं चलीं, तो शेफाली ने जिम्मेदारी संभाली। सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मंधाना जल्दी आउट हुईं तो शेफाली ने 64 रन बनाकर पारी को संभाला। गेंदबाजी में दीप्ति लगातार असरदार रहीं और युवा श्री चरणी ने भी पूरे टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ी। पूरे टूर्नामेंट के आंकड़े भी भारत के दबदबे की कहानी बताते हैं। शेफाली वर्मा पांच मैचों में 236 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। मंधाना के नाम 213 रन रहे। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा 14 विकेट के साथ टूर्नामेंट की सबसे सफल गेंदबाज बनीं, जबकि श्री चरणी ने 12 विकेट लिए। प्रेमा रावत और नंदनी शर्मा ने भी सात-सात विकेट लेकर टीम के स्पिन विभाग को मजबूती दी। यानी भारत ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बड़ी जीत हासिल करके खिताब नहीं जीता। टीम के पास जीत के कई रास्ते थे। थाईलैंड के खिलाफ शुरुआत में 94 रन की जीत, पाकिस्तान के खिलाफ आसान जीत, बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में 40 रन की जीत और फिर फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराना बताता है कि टीम ने पूरे अभियान में लगातार दबाव बनाए रखा। यही वजह है कि यह एशिया कप भारतीय महिला टीम के लिए एक अच्छा टर्नअराउंड भी माना जा सकता है। 2024 में श्रीलंका के हाथों फाइनल हारने के बाद भारत के लिए इस बार सिर्फ ट्रॉफी जीतना काफी नहीं था। टीम को अपने पुराने दबदबे को भी फिर से स्थापित करना था। फाइनल में 72 रन की जीत ने दोनों काम कर दिए।

और अब इंतजार ज्यादा लंबा नहीं है। एशिया कप की जीत का जश्न पूरा भी नहीं हुआ है कि भारतीय महिला टीम एशियन गेम्स के लिए तैयार है। एशिया कप और एशियन गेम्स के बीच बहुत कम समय है, लेकिन यह स्थिति भारत के लिए सकारात्मक भी है। टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को लगातार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का अनुभव मिला है और आत्मविश्वास भी ऊंचा है। अची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में भारत अपने महिला क्रिकेट खिताब का बचाव करेगा। क्रिकेट प्रतियोगिता 17 सितंबर से शुरू होनी है और भारत की टीम जापान के खिलाफ क्वार्टरफाइनल से अपना अभियान शुरू करेगी। भारत 2023 के हांगझोउ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुका है और इस बार भी वही लक्ष्य सामने है।

टीम में कप्तानी की जिम्मेदारी हरमनप्रीत कौर के पास रहेगी और स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। एशिया कप की फॉर्म को देखते हुए शेफाली और मंधाना की बल्लेबाजी भारत की सबसे बड़ी ताकतों में रहेगी, जबकि दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की स्पिन जोड़ी एक बार फिर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। चोट के कारण जेमिमा रोड्रिग्स एशियन गेम्स से बाहर हो गई हैं और उनकी जगह प्रतिका रावल को टीम में शामिल किया गया है। इसलिए एशिया कप की जीत का महत्व सिर्फ एक और ट्रॉफी जोड़ने तक सीमित नहीं है। भारत ने उस टूर्नामेंट में कई सवालों के जवाब दिए हैं। बल्लेबाजी में शुरुआत मजबूत रही, बीच के ओवरों में टीम ने स्थिति के हिसाब से खेला और गेंदबाजी में स्पिनरों ने लगातार दबाव बनाया। सबसे अहम बात यह रही कि टीम ने फाइनल में दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। हैंडशेक हुआ या नहीं, ट्रॉफी किसने दी या किसने नहीं दी, यह बहस शायद एशिया कप खत्म होने के बाद भी चलती रहेगी। यह टूर्नामेंट का एक अलग अध्याय है और उस पर अलग नजरिए से चर्चा हो सकती है। लेकिन मैदान पर भारतीय महिला टीम की कहानी कहीं ज्यादा सीधी है। शेफाली और मंधाना ने बल्ले से शुरुआत की, दीप्ति और श्री चरणी ने गेंद से कहानी पूरी की और हरमनप्रीत की टीम ने आठवीं बार एशिया कप जीत लिया। अब अगला लक्ष्य एशियन गेम्स का स्वर्ण है। एशिया कप में भारत ने एशिया पर अपना दबदबा फिर से साबित किया है। अची-नागोया में अब उसी प्रदर्शन को एक और स्वर्ण पदक में बदलने की बारी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

मदारी का बाड़ेबंदी खेल

रामविलास जांगिड़
व्यंग्यकार

मदारी ने डुगडुगी पर तीन चोट मारी और चौराहे के बीच अपना नया तमाशा सजा दिया। न बंदर था, न सांप, ना रस्सी पर चलने वाली नटनी। इस बार बीच में बांस का एक शानदार बाड़ा था, जिसके बाहर तख्ती टंगी थी- लोकतांत्रिक सुरक्षा क्षेत्र- माननीयों के अतिरिक्त सभी का प्रवेश निषिद्ध। जमूरा बाड़े को घूरता रह गया। मदारी ने मुस्कराकर बताया कि आज वह अपना सबसे महंगा खेल दिखाने वाला है- माननीयों की बाड़ेबंदी। बाड़े के भीतर कुछ माननीय आराम से बैठे थे। कुर्सियां मुलायम थीं, पानी ठंडा था और मोबाइल लगातार गर्म हो रहे थे। चेहरे पर गंभीरता ऐसी थी, जैसे राष्ट्र का भविष्य नहीं, अपनी-अपनी कुर्सी का भविष्य तय हो रहा हो। मदारी ने ताली पीटी। सब माननीय एक साथ खड़े हो गए। दूसरी ताली पीटी। सभी बैठ गए। तीसरी ताली पर सबने हाथ उठा दिए। जमूरा बोला, उस्ताद, ये सब एक साथ कैसे करते हैं? मदारी ने कहा, अभ्यास से नहीं जमूरे, संकेत से। ऊपर देखा तो डोरियों का जाल फैला हुआ था। कुछ डोरियां दिखाई देती थीं, कुछ नहीं। मगर उनका असर सबको दिखाई दे रहा था।

एक माननीय ने गर्व से घोषणा की- हम अपने विवेक से निर्णय लेते हैं। मदारी ने उसी क्षण डोरी खींची। माननीय कुर्सी समेत दूसरी तरफ खिसक गए। जमूरा बोला, उस्ताद, विवेक भी पहियों पर चलता है? मदारी ने डुगडुगी बजाई- जहां कुर्सी जाती है, वहां विवेक को जाना ही पड़ता है। बाड़े के बाहर जनता जमा होने लगी। कोई सड़क की शिकायत लेकर आया था, कोई बिजली की, कोई पानी की। किसी के हाथ में बेरोजगारी का प्रमाणपत्र था तो कोई अस्पताल की पर्ची लेकर खड़ा था। मदारी ने उनकी अर्जियां लेकर एक संदूक में डाल दीं। जमूरा बोला, उस्ताद, इन्हें अंदर क्यों नहीं भेजते? मदारी ने कहा, अभी समय नहीं है। अब बाड़े के भीतर भोजन का दौर चला। मेज पर घोषणा-पुलाव, आश्वासन की कचौरी, विकास का हलवा और उपलब्धियों की चटनी परोसी गई। जनता बाहर खड़ी रही। जमूरे ने पूछा, उस्ताद, बाहर वालों के लिए? मदारी ने बिल की ओर इशारा किया। जनता के हिस्से में बिल आता है। इसके बाद मदारी ने बाड़े में एक छोटा-सा राजनीतिक स्विमिंग पूल बनवा दिया। एक माननीय एक झंडा लेकर पानी में उतरे और दूसरे किनारे पहुंचते-पहुंचते दूसरे रंग का अंगोछा ओढ़ आए। दूसरे ने भी छलांग लगाई और बाहर निकलते ही अपनी टोपी बदल ली। जमूरा बोला, ये रंग इतनी जल्दी कैसे बदल लेते हैं? मदारी बोला, यह रंग नहीं, मौसम पहचानने की कला है। और सिद्धांत? वह कपड़ों के साथ सूखने के लिए डाल दिए हैं।

अब विचारधारा का संतुलन शुरू हुआ। मदारी ने एक डोरी खींची तो सारे माननीय एक ओर झुक गए। दूसरी डोरी खिंची तो दूसरी ओर। दोनों डोरियां एक साथ खिंचीं तो सभी बीच में तनकर खड़े हो गए। मदारी ने घोषणा की- देखिए! राजनीतिक संतुलन! जमूरा बोला, उस्ताद, अगर डोरियां छूट जाएं तो? मदारी ने तुरंत कहा, तब असली संतुलन का पता चलेगा, इसलिए डोरियां कभी नहीं छोड़ी जातीं। दोपहर तक बाड़े के बाहर जनता की भीड़ बढ़ गई। भीतर माननीयों की सुरक्षा बढ़ती गई। बाहर सवाल बढ़ते गए, भीतर बैठकें। एक किसान ने पानी मांगा। एक बेरोजगार ने नौकरी मांगी। एक महिला ने अस्पताल की सुविधा मांगी। मदारी ने सबकी आवाजें सुनीं, फिर डुगडुगी बजाकर बोला- शांत रहिए! अंदर लोकतंत्र की रक्षा चल रही है। जमूरा बोला, उस्ताद, लोकतंत्र को किससे खतरा है? मदारी ने बाहर खड़ी जनता की ओर देखा और धीरे से कहा- सबसे ज्यादा सवालों से। शाम होते-होते बाड़े पर ताला लग गया। अंदर रोशनी जगमगा रही थी और बाहर अंधेरा गहराता जा रहा था। मदारी ने बांस उखाड़े और तख्ती उतार ली। जमूरा बोला, उस्ताद, खेल खत्म? मदारी मुस्कराया- खेल कहां खत्म हुआ जमूरे? अब अगला खेल होगा- जनता को यह समझाने का कि पिछला खेल लोकतंत्र बचाने के लिए जरूरी था।

X

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
यह भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है! एशिया कप जीतने पर महिला टीम को हार्दिक बधाई। पूरे टूर्नामेंट में टीम का आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज्बा देखने को मिला। यह ऐतिहासिक जीत देशभर के लाखों युवाओं को और अधिक खेलने तथा खेल के मैदान पर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित करे।

दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री, राजस्थान
@KumariDiya
भाजपामय राजस्थान! राजस्थान नगर निकाय चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान में हो रहे समग्र विकास, जनकल्याण एवं सुशासन पर जनता के अटूट विश्वास की जीत है। यह जीत भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, समर्पण और जनसेवा के संकल्प को समर्पित है। प्रदेश की जनता ने विकास और सुशासन के साथ अपने विश्वास की मुहर लगाई है। प्रदेश की देवतुल्य जनता एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के अपार विश्वास और आशीर्वाद के लिए हार्दिक आभार। हम सभी मिलकर विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ेंगे।

लेखकों से आग्रह है...
वे 'सच बेधड़क' में प्रकाशन के लिए अपने लेख, कविता, कहानी, व्यंग्य आदि रचनाएं हमें Editor@sachbedhadakdaily.com पर ई मेल करें। साथ में रचना के अप्रकाशित होने का स्वघोषणा पत्र भी भेजें।

नॉलेज कॉर्नर: बिल्ली और कुत्ते भी आ सकते हैं H5 वायरस की चपेट में

बर्ड फ्लू: अब पालतू जानवर भी रहें सावधान

घर में आपकी बिल्ली आराम से सो रही हो या कुत्ता आपके साथ खेल रहा हो, लेकिन क्या बर्ड फ्लू का वायरस उनके लिए भी खतरा बन सकता है? जवाब है- हां। हालांकि ऑस्ट्रेलिया में अभी पालतू जानवरों में H5 बर्ड फ्लू का कोई मामला सामने नहीं आया है और सामान्य परिस्थितियों में बिल्लियों-कुत्तों के लिए संक्रमण का जोखिम बेहद कम माना जा रहा है, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में सामने आए मामलों ने विशेषज्ञों की चिंता बढ़ाई है। बिल्लियां H5 बर्ड फ्लू से संक्रमित होने पर गंभीर रूप से बीमार हो सकती हैं। कुछ देशों में संक्रमित बिल्लियों की हालत तेजी से बिगड़ने के बाद कुछ ही दिनों में उनकी मौत के मामले सामने आए हैं। इस बारे में विस्तार से जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

घर तक कैसे पहुंच सकता है वायरस?

H5 बर्ड फ्लू आपके पालतू जानवर तक कई रास्तों से पहुंच सकता है- संक्रमित जंगली पक्षी या अन्य जीव के सीधे संपर्क से। संक्रमित स्थान या दूषित पानी के संपर्क में आने से। संक्रमित पशु उत्पाद या कच्चा भोजन खाने से। संक्रमित पक्षियों की बीट, पंख या शव के संपर्क से। इंसान के जूते, कपड़ों और उपकरणों के जरिए भी वायरस घर तक पहुंच सकता है। इसलिए खतरा सिर्फ उस पालतू जानवर तक सीमित नहीं है जो बाहर घूमता है। घर का पालतू जानवर भी अनजाने में दूषित चीजों के संपर्क में आ सकता है।

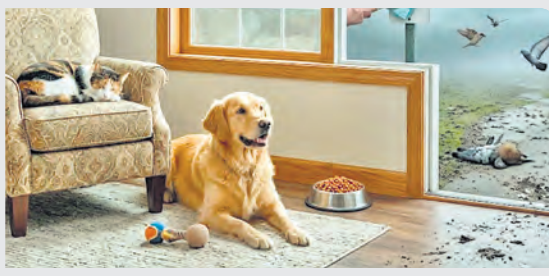

लक्षण दिखें तो सीधे अस्पताल न पहुंचें

यदि पालतू जानवर में बर्ड फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दें और हाल में वह किसी जंगली पक्षी, जीव या कच्चे पशु उत्पाद के संपर्क में आया हो, तो पहले पशु चिकित्सक को फोन करें। इससे डॉक्टर संभावित संक्रमण को ध्यान में रखते हुए जांच और इलाज की सुरक्षित व्यवस्था कर सकेंगे। फिलहाल पालतू जानवरों के लिए H5 बर्ड फ्लू का कोई टीका उपलब्ध नहीं है। इसलिए विशेषज्ञों के मुताबिक संक्रमण से बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय है।

ऐसे बचाएं पालतू जानवर

कुत्तों को बाहर ले जाते समय पट्टे में रखें और संभव हो तो बिल्लियों को घर के अंदर रखें। इससे वे संक्रमित पक्षियों का शिकार करने या उन्हें खाने से बचेंगे। पक्षियों की बीट, पंख, शव और दूषित पानी संक्रमण का स्रोत हो सकते हैं। पालतू जानवरों के भोजन और पानी के कटोरे बाहर न छोड़ें। कच्चा मांस, बिना पाश्चुरीकृत डेयरी उत्पाद और संदिग्ध पालतू भोजन संक्रमण का जोखिम बढ़ा सकते हैं। सिर्फ भोजन को फ्रीज कर देना वायरस को खत्म करने की गारंटी नहीं है। यदि आपका काम पक्षियों, मुर्गियों या जंगली जीवों के संपर्क से जुड़ा है तो घर लौटने से पहले हाथ अच्छी तरह धोएं। जूते और उपकरण साफ करें तथा जरूरत के अनुसार कपड़े बदलें।

सावधानी बरतना बेहद जरूरी

फिलहाल ज्यादातर पालतू जानवरों के लिए H5 बर्ड फ्लू का जोखिम कम है, लेकिन सावधानी जरूरी है। बीमार या मृत जंगली पक्षी को न छुएं, पालतू जानवर को उससे दूर रखें और दूषित चीजों को घर तक पहुंचने से रोकें। आपकी थोड़ी सी सावधानी आपके पालतू जानवर को गंभीर संक्रमण से बचा सकती है। कंटेंट: रघुवीर जांगिड़

CCTV में कैद हुई 30 सेकंड की वारदात

बैंककर्मियों को पिस्तौल दिखाकर 42 लाख रुपए लूट ले गए बदमाश

बेधड़क | जयपुर

रामनगरिया थाना क्षेत्र में अक्षयपात्र चौराहे के पास सोमवार सुबह बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम बूथ से 42 लाख रुपए निकालकर ले जा रहे बैंक कर्मचारियों से बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर नोटों से भरा बैग लूट लिया। पावर बाइक पर आए दो बदमाश वारदात के बाद फरार हो गए। पुलिस ने शहरभर में नाकाबंदी कराई, लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं लगा।

पुलिस के अनुसार बैंक की दो महिला और एक पुरुष कर्मचारी सुबह करीब 10:42 बजे एटीएम बूथ में लगी डिपॉजिट मशीन से करीब 42 लाख रुपए निकालकर काले बैग में रखकर बैंक के अंदर जा रहे थे। इसी दौरान कुछ दूरी पर खड़े दो हेलमेट पहने बदमाश तेजी से उनके पास पहुंचे। बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर कर्मचारियों को डराया और धक्का-मुक्की कर नोटों से भरा बैग छीन लिया। इसके बाद दोनों पावर बाइक पर बैठकर फरार हो गए। बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में सुबह 10:41 बजे दोनों बदमाश हेलमेट लगाकर पैदल एटीएम बूथ की ओर आते दिखाई दिए। कर्मचारियों के बूथ से बाहर निकलते ही उन्होंने पिस्तौल के दम पर बैग छीना और भाग निकले। बदमाशों के पीछे आसपास मौजूद लोगों ने भी दौड़ लगाई, लेकिन दोनों बाइक से फरार हो गए। पूरी वारदात करीब 30 सेकंड में हुई।

रेकी के बाद वारदात का शक

पुलिस जांच में सामने आया है कि बदमाशों को बैंक कर्मचारियों के एटीएम से रुपए निकालकर ले जाने की जानकारी थी। पुलिस को वारदात से पहले रेकी किए जाने का शक है। निकाय चुनाव की गणना और गणेश चतुर्थी के समय को बदमाशों ने वारदात के लिए चुना। रामनगरिया थाना एसएचओ अनिल टेलर ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों का रूट चार्ट तैयार किया जा रहा है। एटीएम बूथ और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। बैंक कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

इकलेरा में दो पक्षों में फायरिंग, एक की मौत

डीग। इकलेरा गांव में सोमवार देर शाम दो पक्षों के बीच विवाद के बाद फायरिंग हो गई। गोली लगने से इकलेरा निवासी बिज्जो पुत्र नत्थी गुर्जर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया। मृतक के परिजनों ने दूसरे पक्ष पर गोली मारने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार राजेंद्र पक्ष और बिज्जो पक्ष के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जो बढ़कर फायरिंग तक पहुंच गया। सूचना पर सीओ सीताराम बैरवा, एएसपी अखिलेश शर्मा सहित पुलिस अधिकारी और डीएसटी टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। तनाव को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

पिता ने बेटे-बेटी को जहर देकर किया सुसाइड

बेधड़क | अलवर

अलवर में एक पिता ने अपने दो बच्चों को जहर देने के बाद खुद भी जहर खाकर जान दे दी। घटना में पिता और छह वर्षीय बेटे की मौत हो गई, जबकि साढ़े तीन साल की बेटी की हालत गंभीर है। बच्ची का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना सदर थाना क्षेत्र की 'अपना घर शालीमार' आवासीय सोसायटी में रविवार देर रात हुई। मृतक की पहचान मोहित (35) और उसके बेटे विवान (6) के रूप में हुई है। मोहित के साले राहुल ने बताया कि करीब दो साल पहले उसकी बहन की अचानक मौत हो गई थी। पत्नी की मौत के बाद से मोहित मानसिक तनाव में थे। रविवार रात मोहित ने राहुल को मैसेज किया- 'वी आर गोइंग', यानी हम जा रहे हैं। राहुल ने मैसेज देखकर पूछा- 'कहां जा रहे हो?' मोहित ने जवाब दिया- 'ऊपर।' राहुल को अनहोनी की आशंका हुई और वह तुरंत उसके घर पहुंचा।

मृतक मोहित व विवान।

फ्लैट में अचेत मिले पिता और दोनों बच्चे

राहुल के मुताबिक, फ्लैट में मोहित और दोनों बच्चे अचेत हालत में पड़े थे। मोहित की हालत गंभीर थी। मोहित ने उससे कहा कि दोनों बच्चों को बचा लो।' इसके बाद राहुल तीनों को लेकर देर रात जिला अस्पताल पहुंचा। वहां डॉक्टरों ने मोहित और विवान को मृत घोषित कर दिया। वहीं साढ़े तीन साल की कृषा को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। सदर थाना एसएचओ विजेंद्र ने बताया कि मोहित और उसके बेटे के शवों का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। बच्ची का इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंटरव्यू सिस्टम व मार्किंग प्रक्रिया का करेगी अध्ययन

RPSC की टीम जाएगी गुजरात

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) भर्ती और साक्षात्कार प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए दूसरे राज्यों के लोक सेवा आयोगों की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर रहा है। इसी कड़ी में आयोग के सदस्य डॉ. सुशील कुमार बिस्सू के नेतृत्व में RPSC की टीम 20 से 22 सितंबर तक गुजरात लोक सेवा आयोग के तीन दिवसीय दौरे पर जाएगी। टीम गुजरात आयोग की प्रक्रियाओं और वहां अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज का अध्ययन करेगी। दौरे के दौरान RPSC टीम गुजरात लोक सेवा आयोग की साक्षात्कार प्रणाली, इंटरव्यू की मेथोडोलॉजी और अभ्यर्थियों को अंक देने की प्रक्रिया को बारीकी से समझेगी। खास तौर पर यह देखा जाएगा कि साक्षात्कार प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए वहां किन व्यवस्थाओं और तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन प्रक्रियाओं का अध्ययन कर RPSC में इन्हें लागू करने की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा।

अध्यक्ष की पहल पर बेस्ट प्रैक्टिस का अध्ययन

दूसरे राज्यों के लोक सेवा आयोगों की श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को समझने की पहल RPSC अध्यक्ष ले. कर्नल केसरी सिंह के विजन का हिस्सा है। हाल ही में महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में आयोजित लोक सेवा आयोगों की राष्ट्रीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में उन्होंने विभिन्न आयोगों के बीच संवाद बढ़ाने और एक-दूसरे की प्रक्रियाओं के अध्ययन पर जोर दिया था। इसी पहल के तहत कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य ने भी RPSC का दौरा कर यहां की कार्यप्रणाली और श्रेष्ठ प्रक्रियाओं का अध्ययन किया था। अब RPSC की टीम गुजरात जाकर वहां की व्यवस्थाओं को समझेगी।

बड़ी बेटी के आचरण और पत्नी के पक्ष लेने से था नाराज

मंदिर से लौटते ही दो मिनट में खत्म कर दिया परिवार

■ गोविंद वाटिका में पत्नी और तीन बेटियों के मर्डर का मामला

बेधड़क | जयपुर

करधनी थाना इलाके के गोविंद वाटिका में पत्नी और तीन बेटियों की हत्या करने वाले आरोपी राहुल कुमार झा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को प्रेसवार्ता में मामले का खुलासा करते हुए डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण ने बताया कि हत्यारे राहुल से प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि हत्या वाले दिन वह सुबह करीब 5 बजे उठा। दूधवाले के आने के बाद चाय बनाई और पी। इसके बाद रोज की तरह धार्मिक कार्य किए और कांटा चौराहा स्थित मंदिर में दर्शन के लिए गया। मंदिर से लौटते समय उसके मन में चारों की हत्या की साजिश बनी। जब मंदिर से वह वापस लौटा तो घर पर पत्नी और तीनों बेटियां सो रही थीं। राहुल घर पहुंचने के बाद सबसे पहले ऊपर गया, जहां पत्नी गीता सो रही थी। उसने सीमेंट ब्लॉक से उसके सिर पर दो वार किए। इसके बाद नीचे आकर बड़ी बेटी नंदिनी की हत्या की। फिर दूसरे कमरे में सो रही राधिका और ग्रेशिका उर्फ गौरी को भी सीमेंट ब्लॉक से वार कर मार डाला। चारों हत्याएं करीब दो मिनट में कर दी गईं।

आरोपी राहुल कुमार झा।

बड़ी बेटी के आचरण को लेकर था शक

राहुल पिछले दो-तीन महीने से पत्नी से बड़ी बेटी को समझाने को लेकर विवाद कर रहा था। उसे शक था कि नंदिनी का आचरण खराब है और उसके सोने के बाद युवक रात में घर आता है। पत्नी गीता बेटी का पक्ष लेती थी, जिससे वह नाराज था। राहुल पहले पत्नी और बड़ी बेटी की हत्या करना चाहता था। बाद में उसे लगा कि इनके बाद उसे जेल जाना पड़ेगा और छोटी बेटियों की देखभाल कौन करेगा, इसलिए उसने दोनों को भी मार डाला। वारदात से पहले वह अपनी भतीजी से भी नंदिनी के आचरण को लेकर बात करना चाहता था, लेकिन बातचीत से पहले ही हत्याएं कर दीं।

हत्या के बाद फिर पहुंचा मंदिर

फरारी के दौरान वह झोटवाड़ा कांटा स्थित हनुमान मंदिर, अंबाबाड़ी माताजी मंदिर और पापड़ वाले हनुमानजी मंदिर गया। इसके बाद बस से खाटूश्यामजी पहुंचा। पुलिस को सूचना मिलने पर तलाश शुरू हुई और रींगस में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ पहले से तीन मामले दर्ज हैं और वह लूट व धोखाधड़ी के मामलों में जेल जा चुका है।

बिजनेस

सोना शुद्ध	जेवराती सोना	चांदी
1,56,000 (-800)	1,42,800 (-700)	2,36,500 (+1,500)

भारत, कनाडा के बीच चौथे दौर की वार्ता शुरू

नई दिल्ली। भारत और कनाडा ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को लेकर सोमवार को नई दिल्ली में चौथे दौर की वार्ता शुरू की। पांच दिन चलने वाली यह वार्ता 18 सितंबर तक चलेगी। दोनों देशों का लक्ष्य इस साल समझौते पर बातचीत पूरी करना है। वार्ता में वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम तथा तकनीकी व्यापार बाधाओं सहित कई मुद्दों पर चर्चा होगी। अधिकारी के अनुसार, दोनों देशों के बीच 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के लिए यह वार्ता महत्वपूर्ण है। वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 7.95 अरब डॉलर रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 8.66 अरब डॉलर से 8.22 प्रतिशत कम है। इस दौरान भारत ने कनाडा को 4.67 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि 3.28 अरब डॉलर का आयात किया। भारत से कनाडा को दवाएं, लोहा-इस्पात, समुद्री खाद्य, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रसायन प्रमुख रूप से निर्यात होते हैं।

अगस्त में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 5.95% हुई

सब्जियां महंगी, खुदरा महंगाई बढ़कर 4.82%

एजेंसी | नई दिल्ली

आलू-प्याज समेत कई सब्जियों और खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से अगस्त में आम लोगों पर महंगाई का बोझ और बढ़ गया। अगस्त 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.82 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह लगातार आठवां महीना है, जब खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को इसके आंकड़े जारी किए। रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत रखा है। अगस्त लगातार तीसरा महीना रहा, जब महंगाई दर 4 प्रतिशत से ऊपर रही। गांवों में महंगाई का असर शहरों के मुकाबले ज्यादा रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई 5.23 प्रतिशत, जबकि शहरी क्षेत्रों में 4.31 प्रतिशत रही। अगस्त में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.95 प्रतिशत पहुंच गई। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 6.13 प्रतिशत और शहरों में 5.64 प्रतिशत रही।

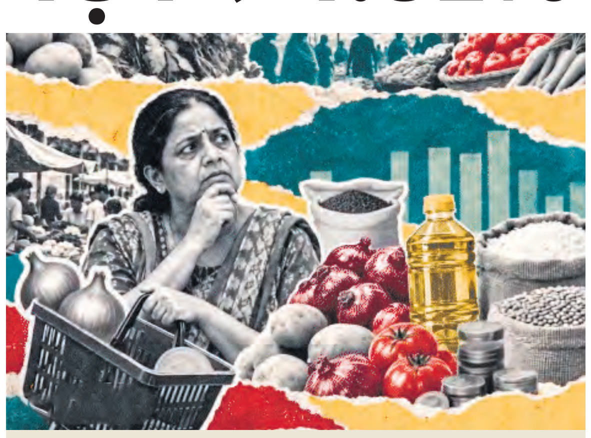

महंगाई बढ़ने की 4 प्रमुख वजहें

- **खाने-पीने की चीजें महंगी:** खाद्य महंगाई जुलाई के 5.52% से बढ़कर अगस्त में 5.95% हो गई।
- **मानसून का असर:** कमजोर/अनियमित मानसून से कृषि आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे कई खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ा।
- **प्याज-लहसुन महंगे:** अगस्त में प्याज की महंगाई 48.27%, लहसुन की 43.60% और अदरक की 73.82% रही।
- **कच्चे तेल और ईंधन की कीमतों का दबाव:** अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल करीब 100 डॉलर से ऊपर जाने से भारत के आयात बिल और ट्रांसपोर्ट लागत पर दबाव बढ़ा।

भुवनेश्वर में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' आज

प्रदेश में निवेश के नए अवसरों पर होगा संवाद

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव मजबूत करने और प्रदेश में निवेश के नए अवसर तलाशने के लिए मंगलवार को भुवनेश्वर के होटल मेफेयर में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' आयोजित करेगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य एवं डोरा शिखर अग्रवाल के नेतृत्व में होने वाली इस मीट में प्रवासी राजस्थानियों के साथ संवाद, सहयोग और सहभागिता बढ़ाने पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में राजस्थान की विकास यात्रा में प्रवासी राजस्थानियों की भागीदारी बढ़ाने तथा औद्योगिक निवेश, व्यापारिक सहयोग और आर्थिक साझेदारी को प्रोत्साहित करने के अवसरों पर प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा। मीट के बाद राजस्थान सरकार का प्रतिनिधिमंडल ओडिशा के प्रमुख उद्योग समूहों और व्यावसायिक प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेगा। खनन एवं खनिज आधारित उद्योग, धातु प्रसंस्करण, हरित ऊर्जा, वस्त्र एवं परिधान, पर्यटन व स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश, तकनीकी सहयोग और कारोबारी साझेदारी की संभावनाओं पर विशेष रूप से चर्चा होगी।

प्रवासियों को विकास से जोड़ने की पहल

राज्य सरकार का यह आयोजन देश-विदेश में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव को और मजबूत करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। सरकार का उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान की विकास यात्रा का सक्रिय भागीदार बनाना है। मीट में निवेश के अवसरों और राज्य की नीतिगत सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी।

ओडिशा के उद्योग समूहों से भी होगी बैठक: भुवनेश्वर में मीट के बाद शिखर अग्रवाल के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का प्रतिनिधिमंडल ओडिशा के प्रमुख उद्योग समूहों और व्यावसायिक प्रतिनिधियों से संवाद करेगा।

स्पोर्ट्स

आज के मुकाबले

भारत v/s अफगानिस्तान — समय: शाम 7.30 बजे से, नई दिल्ली (टी20)

भारत ए v/s ऑस्ट्रेलिया ए — समय: शाम 6.00 बजे से, न्यू चंडीगढ़ (महिला अनऑफिशियल टी20)

RUFC ने लालमुआनसांगा को जोड़ा

जयपुर। राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने 2026-27 सत्र की तैयारियों को मजबूत करते हुए मिजोरम के 29 वर्षीय गोलकीपर लालमुआनसांगा ललमुआनसांगा को टीम में शामिल किया है। क्लब के अनुसार लालमुआनसांगा 1+1 वर्ष के अनुबंध पर डेजर्ट वॉरियर्स से जुड़े हैं और आगामी सत्र में 13 नंबर की जर्सी पहनेंगे। वह इससे पहले दिल्ली एफसी, गढ़वाल एफसी, आइजोल एफसी और इलेक्ट्रिक वेंग का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने इंडियन फुटबॉल लीग में भी हिस्सा लिया है और अपने करियर में प्रतियोगिता के 36 मुकाबले खेले हैं। राजस्थान यूनाइटेड एफसी के चेयरमैन कृष्ण कुमार टांक ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के खिलाड़ियों के साथ क्लब के अनुभव अच्छे रहे हैं।

अमेरिकी ओपन: फाइनल में अमेरिका के शेल्टन को हराया

ज्वेरेव बने पहली बार चैंपियन

एजेंसी | न्यूयॉर्क

शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को हराकर पहली बार अमेरिकी ओपन पुरुष एकल का खिताब जीत लिया। ज्वेरेव ने फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी को 6-3, 7-6 (2), 5-7, 6-2 से शिकस्त दी। इसके साथ ही ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल खिताब के लिए अमेरिका का 2003 से चला आ रहा इंतजार भी जारी रहा। एंडी रॉडिक आखिरी अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी थे, जिन्होंने 2003 में अमेरिकी ओपन जीता था। ज्वेरेव का यह इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया था। इस साल ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में उनका रिकॉर्ड 25-2 हो गया है। खिताब जीतने पर उन्हें 55 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। शेल्टन को घरेलू दर्शकों का भरपूर समर्थन मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने तीसरा सेट जीतकर मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, मगर ज्वेरेव ने चौथे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। ज्वेरेव ने कहा कि उन्होंने इस सफलता के लिए काफी मेहनत और दर्द सहा है। 23 वर्षीय शेल्टन के खिलाफ ज्वेरेव की यह लगातार छठी जीत है। इससे पहले ज्वेरेव 2020 में भी अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे।

जोकोविच बाहर, बिग थ्री खत्म

न्यूयॉर्क। नोवाक जोकोविच के विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर खिसकने के साथ 2002 के बाद पहली बार पुरुष टेनिस के शीर्ष 10 में 'बिग थ्री' का कोई खिलाड़ी नहीं है। अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मारियानो नावोन से हार के बाद जोकोविच पांचवें से 12वें स्थान पर पहुंचे। रोजर फेडरर ने 2022 और राफेल नडाल ने 2024 में संन्यास लिया था। जोकोविच के नाम 24 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। मौजूदा रैंकिंग में यानिक सिनर, कार्लोस अल्काराज और अलेक्जेंडर ज्वेरेव शीर्ष तीन में हैं, जबकि बेन शेल्टन चौथे स्थान पर पहुंचे हैं। महिला रैंकिंग में अमेरिकी ओपन चैंपियन एलेना रायबाकिना पहली बार शीर्ष पर पहुंची हैं।

पांचवें गेंदबाज पर भारत की नजर

वरुण चक्रवर्ती बाहर, भारत शृंखला जीतने को उतरेगा

एजेंसी | नई दिल्ली

पहले टी20 में सात विकेट से शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारत मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा मुकाबला जीतकर शृंखला अपने नाम करने उतरेगा। हालांकि मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वरुण चक्रवर्ती पूरी शृंखला से बाहर हो गए हैं, जिससे भारत की पांचवें गेंदबाज की समस्या बढ़ गई है। हार्दिक पंड्या पहले ही चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के सामने रवि बिश्नोई या वॉशिंगटन सुंदर को मौका देने का विकल्प है। पहले मैच में अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 32 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली। ईशान किशन ने 42 रन बनाए। वहीं संजू सैमसन को टीम में जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलनी होगी।

आरसीए चुनाव: 15-16 को आपत्तियों पर जवाब

13 जिलों से मिलीं 17 आपत्तियां

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनावों को संपन्न कराने के लिए नियुक्त चुनाव अधिकारी एके पांडे, पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त व सहायक चुनाव अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह हाडा को राजस्थान क्रिकेट संघ के विभिन्न जिला संघों के तरफ से जिला संघों, व्यक्तिगत व तीन नए जिलों को मान्यता के विरुद्ध कुल 17 आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। आपत्तियों जोधपुर (5), हनुमानगढ़ (2), पाली (1), बांसवाड़ा (1), अजमेर (1), दौसा (1), चित्तौड़गढ़ (1), सवाई माधोपुर (1), करौली (1), डूंगरपुर (1) व तीन नए जिलों से (2) आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। आरसीए चुनाव अधिकारी एके पांडे ने बताया कि आरसीए चुनाव प्रोग्राम के अनुसार 15-16 सितंबर को प्राप्त आपत्तियों पर जवाब मांगे जाएंगे व 17-18 सितंबर को सम्बंधित विषय पर सुनवाई की जाएगी।

अलवर, भीलवाड़ा, भरतपुर व जालोर जीते

जयपुर। राज्य स्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता में अलवर, भीलवाड़ा, भरतपुर, जालोर, जोधपुर, धौलपुर, सीकर, करौली, चूरू और हनुमानगढ़ ने अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। अलवर ने बारां को नौ विकेट से हराया।

पीएम नरेंद्र मोदी व शी जिनपिंग की बातचीत पर बोले चीनी विदेश मंत्री वांग यी

भारत-चीन में साझेदार बनने पर सहमति

एजेंसी | बीजिंग

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सोमवार को कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर हुई बैठक में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच इस बात पर सबसे महत्वपूर्ण सहमति बनी कि चीन और भारत को साझेदार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने चीन-भारत संबंधों से जुड़े रणनीतिक, दीर्घकालिक और दिशा-निर्देश तय करने वाले मुद्दों पर खुलकर एवं विस्तार से बातचीत की।

वांग ने चीन के सरकारी मीडिया से कहा कि दोनों नेताओं के बीच सबसे महत्वपूर्ण सहमति यह बनी कि चीन और भारत को साझेदार होना चाहिए। वांग के अनुसार, राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि चीन और भारत एक-दूसरे की विशिष्टताओं का लाभ उठा सकते हैं, एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं, सफलता पाने में एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं और साथ मिलकर विकास कर सकते हैं। वांग ने कहा कि दोनों देशों के नेता सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं, साथ ही ब्रिक्स की बारी-बारी से मिलने वाली अध्यक्षता के दौरान दोनों देश एक-दूसरे का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी-जिनपिंग की बैठक ने व्यापक अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया।

सीमा पर शांति बनाए रखने का संकल्प लिया

वांग ने कहा कि दोनों पक्षों ने आपसी राजनीतिक भरोसे को और मजबूत करने, मतभेदों तथा विरोधाभास को सही ढंग से संभालने और सीमावर्ती इलाकों में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने का संकल्प लिया। चीनी विदेश मंत्री के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत चीन का दुश्मन नहीं, बल्कि साझेदार बनने के लिए तैयार है और एक-दूसरे के विकास को चुनौती के बजाय एक अवसर के रूप में देखता है।

ऊर्जा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली। चीन की सरकारी पेट्रोलियम कंपनी चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीएनपीसी) के चेयरमैन दाई होउलियांग ने सोमवार को नई दिल्ली में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। चीनी सरकारी मीडिया ने सीएनपीसी के हवाले से बताया कि दोनों पक्षों ने ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

लंदन में टेम्स नदी के तट पर हुई गंगा आरती

लंदन। ब्रिटेन के लंदन में टेम्स नदी के तट पर रविवार को पहली बार गंगा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। 'टेम्स तट पर गंगा आरती: प्रकाश उत्सव' नाम से आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन 'चिन्मय मिशन यूके' ने 'टोटली टेम्स' के वार्षिक उत्सव के सहयोग से किया। भारत में गंगा के तट पर होने वाली प्रसिद्ध आरती की परंपरा से प्रेरित इस आयोजन की परिकल्पना प्रकृति, ज्ञान और चेतना के जीवनदायी प्रवाह के प्रतीक के रूप में की गई थी। चित्र में ब्रिटेन में टेम्स नदी के किनारे 'गंगा आरती' करते हुए लोग।

सीबीआई ने दिशा सालियान मामले में दर्ज की FIR

नई दिल्ली। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मुंबई हाई कोर्ट ने यह मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपा था और स्पष्ट निर्देश दिया था कि इसमें किसी को भी नामजद आरोपी न बनाया जाए। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि हाई कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच तथा बयान दर्ज करने का काम शुरू हो गया है। न्यायाधीश सारंग कोटवाल और न्यायाधीश रंजीत सिंह राजा भोंसले की खंडपीठ ने कहा था कि जांच को बहुत लंबे समय तक नहीं खींचा जा सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि मामले की सही और ठोस जांच सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय एजेंसी से जांच जरूरी है।

तरुण तेजपाल ने किया कोर्ट में समर्पण, जेल भेजा

पणजी। तहलका के पूर्व प्रधान संपादक तरुण तेजपाल ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में सुनाई गई 10 साल के कठोर कारावास की सजा को काटने के लिए सोमवार को गोवा की एक अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। तेजपाल ने मापुसा स्थित अतिरिक्त सत्र अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण किया जिसके बाद उन्हें सजा काटने के लिए उत्तर गोवा के कोलवाले स्थित केंद्रीय कारागार भेज दिया गया।

मसूद अजहर पर पाक ने रखा 70 लाख का इनाम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर की गिरफ्तारी में मदद पर 70 लाख रुपए का इनाम बरकरार रखा है। अजहर पाकिस्तानी संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों की सूची में शामिल है।

राजभाषा सम्मेलन: हिंदी किसी अन्य भारतीय भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं

सभी मतभेदों को भुला भारतीय भाषाओं को दें बढ़ावा: अमित शाह

एजेंसी | नवी मुंबई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए सभी राजनीतिक मतभेदों को भुला देना चाहिए। केंद्र सरकार भारतीय भाषाओं को शासन एवं विज्ञान की भाषा बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हिंदी को देश की दूसरी भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

शाह नवी मुंबई में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक बच्चा देश को अपनी मातृभाषा के जरिए ही समझ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। साथ ही एक और भारतीय भाषा को सीखना भी अनिवार्य कर दिया है। जो लोग मातृभाषा के अलावा एक और भारतीय भाषा सीखने के एनईपी के प्रावधान का विरोध कर रहे हैं, उन्हें नहीं पता कि वे कितनी बड़ी गलती कर रहे हैं। देश की अलग-अलग भाषाओं का स्वर भले ही अलग हो लेकिन राष्ट्रीय भावना एक ही होनी चाहिए।

मुंबई में 'हिंदी दिवस' के अवसर पर छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, एकनाथ शिंदे और अन्य लोग।

'हिंदी शब्द सिंधु' में आठ लाख शब्द शामिल

शाह ने कहा कि 'हिंदी शब्द सिंधु' की शुरुआत 51,000 शब्दों के साथ हुई थी और अब इसमें आठ लाख शब्द शामिल हो चुके हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि 2029 तक यह दुनिया का सबसे बड़ा शब्दकोश बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन जगहों पर हिंदी में शब्दों की कमी थी, उन्हें पूरा करने के लिए 'हिंदी शब्द सिंधु' में भारत की क्षेत्रीय भाषाओं के 50,000 से अधिक शब्दों को शामिल किया गया है। शब्दकोश में तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, बंगाली और ओड़िया जैसी भाषाओं के शब्दों को अपनाया गया है जिससे हिंदी और अधिक लचीली बनी है।

महाराष्ट्र में सर्वाधिक बहुभाषी संस्कृति

शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में देश की सबसे अधिक बहुभाषी संस्कृति है, जहां मराठी, कोंकणी, गुजराती, सिंधी, हिंदी, कन्नड़ और वारली जैसी भाषाएं बोली और विकसित की जाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मराठी को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया।

वंदे मातरम् ने रखी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की नींव

शाह ने वंदे मातरम् पर कहा कि राष्ट्रगीत को उसका पूर्ण गौरव वापस दिलाने में 80 साल लग गए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् सिर्फ एक गीत नहीं है बल्कि आजादी के लिए भारतीय चेतना को जगाने की एक कोशिश है। इसने भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की नींव रखी। शाह ने सरकारी कार्यक्रमों में सिर्फ शुरुआती दो छंद गाने के पुराने फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि बाद में इस गीत को विभाजित कर दिया गया और इसे इसका पूर्ण गौरव वापस दिलाने में कई दशक लग गए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् को एक बार फिर उसका सम्मान मिला है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से आती है जागरूकता

शाह ने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का मतलब भारत की संस्कृति और इतिहास के बारे में जागरूकता पैदा करना है। बाल गंगाधर तिलक ने सार्वजनिक गणेश उत्सव और छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाने की शुरुआत की थी। ये दोनों ही उत्सव धीरे-धीरे महाराष्ट्र से बाहर भी फैले और आजादी की लड़ाई के दौरान देशभक्ति की लहर पैदा करने में मदद की।

बहुभाषी अनुवाद टूल बनाया

शाह ने यह भी बताया कि राजभाषा विभाग ने 'भारती' नाम का बहुभाषी अनुवाद टूल बनाया है और सरकार ने 'भारतीय भाषा अनुभाग' भी स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) जैसी परीक्षाएं अभ्यर्थी अपनी मातृभाषा में दे सकते हैं, जबकि संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई), राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और स्नातक स्तर की परीक्षाएं 13 भाषाओं में आयोजित की जा रही हैं।

निवारक न्याय की ओर बढ़ने पर जोर

बुनियादी ढांचा ऐसा बने कि विवाद ही नहीं हो

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि कानून के शासन से अभिप्राय केवल गलत को ठीक करना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण बनाना भी है, जहां चीजें सही तरीके से हों। सीजेआई सूर्यकांत यहां एफआईडीसी वैश्विक अवसंरचना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सफलता का असली पैमाना सिर्फ यह नहीं है कि विवाद कितनी जल्दी सुलझाए जाते हैं, बल्कि यह है कि परियोजनाओं को कितनी अच्छी तरह से डिजाइन किया गया है ताकि विवाद कम से कम हों। इसलिए, हमारी अवसंरचना को पूर्वव्यापी न्याय से हटकर निवारक न्याय की ओर बढ़ने की जरूरत है। यानी, परियोजना में रुकावट आने के बाद सवाल उठाने के बजाय, अनुबंध और संस्थागत ढांचे को इस तरह से तैयार किया जाए कि बातचीत और विवाद से बचने के तरीकों के जरिए असहमति की पहचान करके उन्हें विवाद का रूप लेने से पहले ही सुलझाया जा सके। उन्होंने कहा, आखिरकार, विवाद सुलझाने वाली प्रणाली की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि उसने बहुत सारे विवाद सुलझाए हैं, बल्कि यह है कि जिस परियोजना के लिए वह थी, उसे उसका इस्तेमाल करने की बहुत कम जरूरत पड़ी। उन्होंने कहा कि अवसंरचना विकास का सीधा असर लाखों लोगों की जिंदगी पर पड़ता है। सड़कें, पुल, जलापूर्ति और अन्य सार्वजनिक संपत्ति नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाती हैं।

चुनिंदा फैसलों के हिंदी ऑडियो-वीडियो होंगे जारी

हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से हिंदी में नई 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत महत्वपूर्ण माने गए चुनिंदा फैसलों और आदेशों के सरल हिंदी सारांश उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा करीब 15 से 30 मिनट की अवधि वाले हिंदी ऑडियो और वीडियो बुलेटिन भी जारी किए जाएंगे। यह पहल आम नागरिकों, वादी-प्रतिवादी और विशेष रूप से दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए शुरू की जा रही है।

दिल्ली IGI एयरपोर्ट पर सुरक्षा में चूक... AI को नोटिस जारी

इटली के तीन यात्री बिना इमिग्रेशन क्लीयरेंस हो गए विमान में सवार

बेधड़क | नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षा की चूक का बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में इटली के तीन नागरिक इमिग्रेशन जांच को पूरा किए बगैर अपनी फ्लाइट तक पहुंच गए। तीनों लोग अमृतसर से एअर इंडिया की फ्लाइट से दिल्ली पहुंचे थे और दिल्ली से लुफ्थांसा की उड़ान से म्यूनिख रवाना हो गए। इससे इमिग्रेशन और सिक्योरिटी सिस्टम पर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की जांच शुरू हो गई है और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया को कारण

बताओ नोटिस जारी कर पूरे मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस में हब एंड स्पोक ऑपरेशन से जुड़ी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के कई प्रावधानों के उल्लंघन का जिक्र किया गया है। मंत्रालय के अनुसार, यह मामला 3-4 सितंबर का है। सूत्रों के अनुसार तीनों यात्रियों को 'D' यानी घरेलू बोर्डिंग पास (Domestic Boarding Pass) जारी हुआ था। फिर भी वे अंतरराष्ट्रीय रवानगी स्थल तक पहुंच गए। सूत्रों के अनुसार 'D' बोर्डिंग पास वाले यात्रियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत इमिग्रेशन से गुजरना था, लेकिन तीनों यात्रियों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन ब्यूरो की जांच को अनदेखा कर दिया। साथ ही, इंटरनेशनल-टू-इंटरनेशनल (आई-टू-आई) ट्रांसफर एरिया के रास्ते बोर्डिंग गेट तक पहुंच गए। इसके बाद वे बिना इमिग्रेशन क्लीयरेंस के लुफ्थांसा की फ्लाइट में सवार होकर म्यूनिख रवाना हो गए।

भूस्खलन: 6500 श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड)। उत्तराखंड में चीड़वासा हेलीपैड के समीप भूस्खलन व केदारनाथ पैदल मार्ग के बाधित होने से फंसे 6500 से अधिक तीर्थयात्रियों को सोमवार को बचाव एवं राहत दलों की देखरेख में सुरक्षित निकाला गया। यात्रियों के अलावा करीब 600-700 घोड़े-खच्चरों को भी सुरक्षित निकाला जा चुका है। भूस्खलन के दौरान चट्टानों की चपेट में आने से एक स्थानीय निवासी की मौत हो गई थी। फोटो में केदारनाथ यात्रा के पैदल मार्ग में फंसे तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने में जुटे एसडीआरएफ के जवान।

कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने का खतरा बढ़ा

हूती विद्रोहियों का लाल सागर में 2 और द्वीपों पर कब्जा

एजेंसी | काहिरा

यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी लाल सागर में रणनीतिक रूप से अहम दो और द्वीपों 'ग्रेटर हनीश' और 'लेसर हनीश' पर कब्जा कर लिया है जिससे इस प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग पर उनकी पकड़ और मजबूत हो गई है।

हूतियों द्वारा और द्वीपों पर कब्जा किए जाने से सऊदी अरब के कच्चे तेल की खेप को निशाना बनाने की विद्रोहियों की क्षमता और बढ़ गई है। सऊदी अरब होर्मुज जलडमरूमध्य की जगह लाल सागर के रास्ते कच्चा तेल भेज रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान जहाजों पर हमले कर रहा है। दो सरकारी अधिकारियों और एक हूती अधिकारी के अनुसार, सरकार समर्थक सैकड़ों सैनिकों के द्वीपसमूह से हटने के बाद विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से 160 किलोमीटर उत्तर में स्थित हनीश द्वीपों पर अपने लड़ाकों को तैनात कर दिया। इससे पहले हूतियों ने पिछले सप्ताह यमन के मुख्य भूभाग पर स्थित मोखा बंदरगाह शहर और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के भीतर स्थित मायून द्वीप पर भी कब्जा कर लिया था। हूती विद्रोही अब बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के दूसरी ओर जिबूती स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे से केवल 32 किलोमीटर दूर रह गए हैं।

फाइल फोटो।

सऊदी अरब की क्षतिग्रस्त तेल पाइपलाइन की मरम्मत में लगेंगे कई हफ्ते

इस बीच, हूती विद्रोहियों के हमलों में पिछले सप्ताह क्षतिग्रस्त हुई सऊदी अरब की एक अहम तेल पाइपलाइन की मरम्मत में कई हफ्ते लगेंगे पूरे देश में फैली 'पूर्व-पश्चिम पाइपलाइन' सऊदी अरब की उस रणनीति के लिए बहुत जरूरी है, जिसके तहत वह अपने तेल निर्यात को फारस की खाड़ी के होर्मुज जलडमरूमध्य से हटाकर लाल सागर की ओर ले जा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी हमलों के कारण जहाजों की आवाजाही बाधित हुई है। क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि पाइपलाइन की मरम्मत में तीन से पांच हफ्ते लग सकते हैं। मरम्मत कार्य चलने के दौरान पाइपलाइन आंशिक रूप से काम कर सकती है।

बंगाल में फिर होगा खेला

NCPI के बीस में से 17 MP अब होंगे भाजपा में शामिल

टीएमसी के बागी सांसद का दावा

एजेंसी | कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस के बागी नेता एवं कूचबिहार से लोकसभा सदस्य जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने सोमवार को दावा किया कि एनसीपीआई के 20 में से 17 सांसद अक्टूबर में दुर्गा पूजा से पहले या उसके बाद भाजपा में शामिल होने वाले हैं। बसुनिया ने संवाददाताओं से कहा कि इन 17 सांसदों ने एक साथ भाजपा में शामिल होने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने दावा किया कि सामूहिक रूप से दल बदलने पर वे दलबदल रोधी कानून के दायरे में नहीं आएंगे। ज्ञात रहे कि चौदह जून को तृणमूल के 20 असंतुष्ट सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय की घोषणा की थी।

तीन अन्य सांसद देंगे राजग को समर्थन

बसुनिया ने कहा कि 20 सांसदों में से अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले तीन सांसद अबू ताहेर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान भाजपा में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियां इसके अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि ये तीनों सांसद बाहर से राजग को समर्थन देंगे।

हिंदी दिवस पर अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ संगीत कलाकार सम्मान समारोह

संगीत सीखने, साधना करने और सृजन करने की कोई उम्र नहीं होती

■ 125 कलाकारों का किया सम्मान

बेधड़क | जयपुर

हिंदी दिवस पर अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ संगीत कलाकार सम्मान समारोह 2026 सोमवार को शास्त्री नगर स्थित साइंस पार्क ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी अवधेशाचार्य और पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट रहे, जिन्होंने वरिष्ठ संगीत कलाकारों का सम्मान किया।

समारोह में पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट, पद्मश्री गुलाबो सपेरा, उस्ताद अनवर हुसैन, आर्टिस्ट रामू रामदेव, हरिहर शरण भट्ट, कथक गुरु राजेंद्र राव और ध्रुपद गायिका विदुषी प्रोफेसर मधु भट्ट तैलंग सहित देशभर से आए 125 वरिष्ठ कलाकारों को सम्मानित किया गया। डॉ. मीरा पाटोदिया की 78वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह का संयोजन कला मर्मज्ञ आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने किया। कार्यक्रम में मंच संचालन जयपुर संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम शर्मा ने किया।

पंडित विश्व मोहन भट्ट को सम्मानित करते स्वामी अवधेशाचार्य। साथ में हैं आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया।

मौन साधकों को पहचान देने का प्रयास

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने कहा कि कलाकार की साधना ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। समाज अक्सर प्रसिद्ध कलाकारों को पहचान लेता है, लेकिन ऐसे अनेक वरिष्ठ साधक भी हैं, जिन्होंने बिना किसी प्रचार और अपेक्षा के अपना पूरा जीवन संगीत और नृत्य को समर्पित कर दिया। यह आयोजन ऐसे ही मौन साधकों को समाज के सामने पहचान देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि सम्मान का अर्थ केवल मंच पर बुलाकर माला पहनाना नहीं, बल्कि कलाकार के समय, साधना और गरिमा को समझना है। इसी सोच के साथ समारोह में अनावश्यक औपचारिकताओं से बचते हुए कलाकारों को गरिमापूर्ण ढंग से केवल सम्मान-पत्र प्रदान किया गया।

गुलाबो को सम्मानित करते पंडित विश्व मोहन भट्ट और स्वामी अवधेशाचार्य।

डॉ. वंदना कल्ला।

राजेंद्र राव।

देश-विदेश के कलाकार हुए शामिल

पाटोदिया ने कहा कि संगीत सीखने, साधना करने और सृजन करने की कोई उम्र नहीं होती। 60 वर्ष की आयु के बाद संगीत को जीवन का आधार बनाने वाले वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित कर यह संदेश दिया गया कि जीवन के किसी भी पड़ाव पर कला से जुड़कर आनंद और सृजन का नया अध्याय शुरू किया जा सकता है। आयोजकों के अनुसार कलाकारों को दिए गए सम्मान-पत्र 12 x 18 इंच आकार में गोल्डन फ्रेम और पारदर्शी एक्रेलिक शीट के साथ तैयार किए गए थे। सम्मान ग्रहण करते समय प्रत्येक कलाकार का फोटो लिया गया, जिसे अगले दिन उनके मोबाइल पर भेजा जाएगा। वरिष्ठ कलाकारों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया। उन्हें लंबे समय तक सभागार में बैठाने के बजाय निर्धारित समय स्लॉट में बुलाया गया, ताकि वे प्रसाद ग्रहण कर सम्मान प्राप्त करने के बाद सुविधानुसार घर लौट सकें। आयोजन में देश-विदेश के कलाकारों की सहभागिता रही।

रामू रामदेव।

श्रुति मित्रा।

पार्क में सोसायटी मेंबर्स ने किया पौधारोपण

बेधड़क. जयपुर। अभिलाषा वूमेन्स वेलफेयर सोसायटी की ओर से बनीपार्क स्थित डी सर्किल पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. रमा माथुर ने कहा कि शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सोसायटी की सचिव कल्पना माथुर ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों की व्यवस्था की। वहीं, सदस्य डॉ. रेनू कुलश्रेष्ठ ने उपस्थित सभी सदस्यों को करी पत्ते के पौधे भेंट किए। पौधारोपण कार्यक्रम में डॉ. विजय लक्ष्मी माथुर, डॉ. अंटू सक्सेना, भारती, अलका, स्वाति, हेमा सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। सोसायटी के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण एवं शहर को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया।

हुसैन और सागर की पुस्तकों पर चर्चा

बेधड़क. जयपुर। अंजुमन अरबाब-ए-कलम, जयपुर की ओर से राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति में मशहूर शायर प्रोफेसर मोहम्मद हुसैन की 'किंदील-ए-हुनर' और 'बूंद बूंद समंदर' तथा वकील अहमद सागर की 'कर्ब-ए-एहसास' पुस्तकों का रविवार को लोकार्पण और चर्चा आयोजित की गई। समारोह में उर्दू-हिंदी के वरिष्ठ साहित्यकारों, शायरों, आलोचकों और गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की। अध्यक्ष प्रोफेसर मोहम्मद काजिम ने प्रोफेसर मोहम्मद हुसैन की शायरी को जज्बा-ओ-एहसास, फिक्र और कलात्मक अभिव्यक्ति के सम्मिश्रण की उत्कृष्ट मिसाल बताया। मुख्य अतिथि प्रो. मोहम्मद नईम ने कहा कि उनकी शायरी वर्तमान के साथ भविष्य में भी प्रासंगिक रहेगी और आधुनिक सोच के नए दरवाजे खोलती है। डॉ. अरशद अब्दुल हमीद ने उनकी शायरी को विचारपूर्ण भावानुभूति और भावनात्मक चिंतन की शायरी बताया। वरिष्ठ व्यंग्यकार फारूक आफरीदी ने साहित्यकारों से सामाजिक टूटन और नफरत समाप्त कर सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करने का आह्वान किया। प्रोफेसर ई.ए. हैदरी ने उनकी शायरी को आधुनिक गजल में महत्वपूर्ण बताते हुए शास्त्रीय परंपरा को समकालीन अनुभूति से जोड़ने वाला बताया। शाहिद पठान, सैयद साबिर हसन रईस, हसन इकबाल, एम.आई.जाहिर, इरशाद अजीज सहित अन्य साहित्यकारों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। वकील अहमद सागर की शायरी और जीवन पर तारिक राना ने पत्र-वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन हातिम जयपुरी ने किया।

City इवेंट्स

'ले पैसेज टू इंडिया' को आईएटीओ अवार्ड

बेधड़क. जयपुर। भारतीय पर्यटन के विकास और विस्तार में लंबे समय से दिए जा रहे योगदान, समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए 'ले पैसेज टू इंडिया' (एलपीटीआई) को पर्यटन क्षेत्र में योगदान के लिए आईएटीओ अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। एलपीटीआई को पुरस्कार भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव व महानिदेशक सुमन बिल्ला ने दिया। इस अवसर पर 'ले पैसेज टू इंडिया' के सीईओ ललित मेहरा ने कहा कि आईएटीओ से सम्मान मिलना गर्व की बात है। यह भारतीय पर्यटन के लिए लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों की पहचान है। सम्मान हमें गुणवत्ता, नवाचार और जिम्मेदार पर्यटन के क्षेत्र में आगे भी बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करेगा। जयपुर में एलपीटीआई के कार्यालय का कामकाज संभाल रहे एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर खालिद ने कहा कि सम्मान पूरी एलपीटीआई टीम, उनके क्लाइंट्स, पार्टनर्स और उद्योग से जुड़े सहयोगियों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और विश्वास से एलपीटीआई भारत की पर्यटन संभावनाओं को दुनिया के सामने रखने के लिए लगातार काम कर रही है। वहीं, एलपीटीआई के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर संजय लोगानी ने कहा कि सम्मान उन्हें आगे भी नए विचारों, सहयोग और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

हिंदी भाषा का कोई विकल्प नहीं

बेधड़क. जयपुर। भाषा व पुस्तकालय विभाग की ओर से डॉ. राधाकृष्णन पुस्तकालय सभागार में हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभागीय विशेषाधिकारी डॉ. मृदुला चतुर्वेदी ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के संदेश पढ़कर सुनाए। विभाग निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि भाषाएं एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि ज्ञान और संवाद के अलग-अलग माध्यम हैं। दूसरी भाषाओं को सीखने से हमारी दृष्टि व्यापक होती है, लेकिन इसके साथ ही अपनी भाषा के प्रति सम्मान भी हमारे भीतर बना रहना चाहिए। विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनिता शर्मा ने कहा कि भाषा व पुस्तकालय विभाग की ओर से सार्वजनिक पुस्तकालयों से हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। मुख्य वक्ता राजस्थान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक प्रो. डॉ. दीप कुमार मित्तल ने कहा कि हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है और आने वाले समय में इसकी भूमिका अधिक व्यापक होगी। हिंदी का कोई विकल्प नहीं है। डॉ. मित्तल ने कहा कि हमें दूसरी भाषाओं को सीखने और उनका सम्मान करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए, लेकिन अपनी भाषा को कमतर समझने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। इस अवसर पर पुस्तकालय के सदस्यों युवराज सिंह, महिमा सैनी, प्रियंका मीणा, शगुन सैनी ने हिंदी के महत्व पर विचार रखे। राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष पवन कुमार ने अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन ज्योत्सना राजावत ने किया।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में दिखा विद्यार्थियों का नवाचार

आधुनिक तकनीकों के उपयोग से जीवन की समस्याओं का समाधान

बेधड़क | जयपुर

एसकेआईटी में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2026 के प्रारंभिक चरण में 365 से अधिक टीमों के 2,000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने 90 से अधिक समस्या विवरणों पर अपने तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए।

विशेषज्ञों ने प्रतिभागी टीमों के प्रस्तुत किए गए समाधानों का मूल्यांकन किया और विद्यार्थियों से उनके प्रकल्पों को लेकर संवाद भी किया। एसकेआईटी निदेशक जयपाल मील ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नवाचार और समस्या-समाधान की क्षमता को बढ़ावा देते हैं। निदेशक अकादमिक्स प्रो. एस. एल. सुराणा, प्रधानाचार्य प्रो. आर. के. पचार और डीन प्रो. आर. के. जैन ने विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का समन्वय स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की संस्थान स्तरीय समन्वयक डॉ. नीलम चौधरी ने किया। विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर सुरक्षा और आंकड़ा विज्ञान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर जीवन की समस्याओं का समाधान खोज निकाला। टीमों ने कार्यशील नमूनों के साथ विशेषज्ञों के समक्ष अपने प्रकल्पों का प्रस्तुतिकरण किया।

प्रतिभागी टीमों का मूल्यांकन नवाचार, तकनीकी व्यवहार्यता, उपयोगिता, विस्तार क्षमता, सामाजिक प्रभाव और कार्यशीलता के आधार पर किया गया। आयोजन में स्टूडेंट टीम तथा आइडिया लैब एंबेसडर राहुल गर्ग और रुद्राक्ष दुसाद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि संस्थान में एक साथ 18 समानांतर मूल्यांकन दौर आयोजित किए गए।

सच बेधड़क और गणगौर टीवी हैं मीडिया पार्टनर

रन फॉर ह्यूमैनिटी में जरूरतमंद बच्चों के लिए दौड़ेंगे जयपुरवासी

बेधड़क | जयपुर

इंपैक्ट बियॉन्ड बॉर्डर्स फाउंडेशन की पहल और स्पेक्टा क्वाट्र्ज प्रेजेंट्स स्पेक्टा रन फॉर ह्यूमैनिटी-10 का आयोजन 20 सितंबर को किया जाएगा। बॉम्बे हॉस्पिटल से शुरू होने वाली इस रन का उद्देश्य फिटनेस के साथ जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा में सहयोग देना है।

रन में 3 किमी नॉन-टाइम्ड फन रन तथा 5 और 10 किमी टाइम्ड रन होंगी। 5 और 10 किमी के विजेताओं को कैश अवाड्र्स दिए जाएंगे। सच बेधड़क और गणगौर टीवी कार्यक्रम के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पार्टनर हैं। स्पेक्टा क्वाट्र्ज के ओनर अंकित जैन ने आयोजन को लेकर उत्साह जताया। डॉ. वृजेश शाह और अभिषेक चौधरी ने रन की जानकारी दी। यूईएम के वाइस चांसलर डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने बताया कि यूईएम के स्टूडेंट्स और फैकल्टी भी इसमें शामिल होंगे। जेके मसाले से विकाश जैन तथा वन साइंस न्यूट्रीशन से अनिकेत एवं पवन ने भी सहयोग की बात कही। आयोजक अप्लव सक्सेना ने बताया कि रन में सभी आयु वर्ग के लोग भाग ले सकते हैं, जबकि इवेंट हेड डॉ. भार्गवी ने विजेताओं के कैश अवाड्र्स की जानकारी दी। सच बेधड़क एवं गणगौर टीवी की एंकर वर्तिका जैन ने कहा कि फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के साथ किसी जरूरतमंद बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए योगदान देना इस रन को और खास बनाता है।

इस मुहिम से पीएनबी (ब्रांड पार्टनर), राइट बाइट मैक्स प्रोटीन, वाघ बकरी, आरव्या, जयपुर रनर्स, जयपुर ट्रैफिक पुलिस, मिशन जागृति, पुलिस कमिश्नरेट, अमोरक्राफ्ट और आर.एस. कम्युनिकेशन सहित कई संस्थाएं व ब्रांड जुड़े हैं।

गणेश उत्सव खजाना महल में पहली बार आयोजन, रेड जैस्पर गणपति आकर्षण का केंद्र

मिट्टी के गणेश होंगे विदा, बेशकीमती बप्पा देंगे दर्शन

बेधड़क | जयपुर

जयपुर के 200 साल पुराने खजाना महल में इस बार गणेश उत्सव कुछ ऐसा है, जहां आस्था का मिलन बेशकीमती रत्नों की चमक से हो रहा है। खजाना महल में पहली बार गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित की गई है। रेड जैस्पर स्टोन के एक ही पत्थर से बनी यह प्रतिमा 14 लाख कैरेट की है और इसका वजन 280 किलोग्राम है। सोने के वर्क, रूबी और पन्ना स्टोन की नक्काशी के साथ प्राकृतिक स्टोन के रंगों से सजी यह अद्भुत मूर्ति ज्वेलर जितेश गर्ग ने बनवाई है। पांच दिन तक भव्य पंडाल में गणेश उत्सव चलेगा और पांचवें दिन मिट्टी से बनी मूर्ति का विसर्जन कर बप्पा की विदाई होगी। वहीं, बेशकीमती येलो एवेंचुराइन स्टोन से बनी मूर्ति को म्यूजियम में दर्शनार्थ रखा जाएगा। यानी बप्पा विदा होकर भी यहीं रहेंगे और पर्यटक उनके दर्शन करते रहेंगे।

खजाना महल के संस्थापक अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि पांच दिन तक यहां गणपति की भक्ति का माहौल रहेगा। मिट्टी की प्रतिमा के विसर्जन के बाद येलो एवेंचुराइन स्टोन से बनी बेशकीमती गणेश प्रतिमा म्यूजियम का हिस्सा बन जाएगी। दरअसल, खजाना महल में गणेश जी का रिश्ता केवल इस साल के उत्सव तक सीमित नहीं है। म्यूजियम में पहले से ही अलग-अलग बेशकीमती पत्थरों से बनी गणेश जी की मूर्तियां पर्यटकों के दर्शन के लिए रखी हुई हैं। यहां देश की सबसे बड़ी येलो एवेंचुराइन पत्थर से बनी 750 किलोग्राम वजन की विशाल गणेश प्रतिमा भी मौजूद है।

स्पेन की खान से निकले पत्थर में स्वयंभू गणपति

म्यूजियम में गणेश जी की एक ऐसी स्वयंभू मूर्ति भी है, जो पायराइट स्टोन की 48,500 कैरेट की स्पेन की खान से निकली है। बेशकीमती पत्थरों में गणपति के अलग-अलग स्वरूपों का यह संसार यहां आस्था को एक अलग ही अनुभव देता है। खजाना महल खजाना म्यूजियम 200 साल पुरानी 'चीता की हौदी बारूद खाना' हवेली में बसा है। यह देश का पहला ऐसा म्यूजियम है, जहां 2,000 से ज्यादा दुर्लभ और असली रत्नों और आभूषणों का संग्रह है। यहां आने वाले पर्यटकों को फिल्म के माध्यम से पत्थर से आभूषण बनने की पूरी यात्रा भी दिखाई जाती है। यहां उल्का पिंड से लेकर रामसेतु का तैरता हुआ पत्थर तक मौजूद है। शार्क के दांत से और डायनासोर के अवशेष से बना हीरा भी यहां देखने को मिलता है। दुनिया की सबसे बड़ी 111 किलोग्राम की अंगूठी, कोहिनूर की हूबहू प्रतिकृति और कलयुग के अंतिम अश्वमेध यज्ञ की प्रतिकृति भी म्यूजियम के आकर्षण में शामिल हैं। इसे सवाई जय सिंह की मूर्ति के साथ देखने का अनुभव भी यहां मिलता है।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/003/2026-28

न्यूज बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, मंगलवार, 15 सितंबर, 2026

"कलम की ताकत उसकी स्याही में नहीं,
उसकी निष्पक्षता में होती है।"
पवन अरोड़ा, सीएमडी एंड एडिटर इन चीफ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में होगा एग्रीमेंट साइन

यमुना के पानी से राजस्थान की उम्मीदें बढ़ीं, किशाऊ प्रोजेक्ट पर करार आज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आज हो सकती है मुलाकात

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के लिए पानी से जुड़ी बड़ी सौगात की उम्मीद के बीच किशाऊ मल्टी पर्पज प्रोजेक्ट को लेकर मंगलवार को नई दिल्ली में अहम बैठक होगी। यमुना बेसिन से जुड़े इस बहुउद्देशीय बांध परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए छह राज्यों के बीच महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में होने वाले समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में दोपहर 12 बजे किशाऊ मल्टी पर्पज प्रोजेक्ट को लेकर Signing of Agreement होगा। बैठक में परियोजना से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के साथ समझौते को आगे बढ़ाने और उसके अनुमोदन की दिशा में कदम उठाए जाने की संभावना है। सीएम भजनलाल मंगलवार की बैठक में शामिल होने दिल्ली जाएंगे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भी सोमवार शाम दिल्ली पहुंचे। निकाय चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद इस समझौते को सरकार की उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी से मंगलवार को सीएम भजनलाल शर्मा की मुलकात भी संभव है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

यमुना बेसिन में बढ़ेगा पानी स्टोरेज

किशाऊ परियोजना के आकार लेने से यमुना बेसिन में पानी के भंडारण और उसके नियमन की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। इसका असर यमुना बेसिन से जुड़े राज्यों के जल प्रबंधन पर पड़ेगा। परियोजना को बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और पेयजल आपूर्ति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समझौते का राजस्थान के लिए सबसे अहम पहलू वर्ष 1994 के जल बंटवारे में मिले हिस्से के बेहतर उपयोग से जुड़ा है। किशाऊ में पानी का भंडारण और नियमन होने से राजस्थान को अपने हिस्से के पानी का अधिक प्रभावी उपयोग करने की क्षमता मिल सकती है।

शेखावाटी के सूखे इलाकों को उम्मीद

परियोजना से राजस्थान के सीकर, चूरू और झुंझुनूं जैसे पानी की कमी वाले क्षेत्रों को पेयजल और सिंचाई के लिए दीर्घकाल में लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि वास्तविक लाभ परियोजना के क्रियान्वयन, जल उपलब्धता और राज्यों के बीच तय होने वाली व्यवस्थाओं पर निर्भर करेगा।

गणेश चतुर्थी पर आयोजन, कई केंद्रीय मंत्रियों ने की शिरकत

पीयूष गोयल के आवास पर गणेश पूजन में शामिल हुए PM मोदी, की पूजा-अर्चना

- प्रधानमंत्री ने दी गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

एजेंसी | नई दिल्ली

गणेश चतुर्थी के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के दिल्ली स्थित आवास पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और उत्साह से भरे इस आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्री और गणमान्य लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने गोयल के आवास पहुंचकर भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने देशवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की। इस दौरान पीयूष गोयल और उनका परिवार मौजूद रहा और उन्होंने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पूजा के दौरान पारंपरिक धार्मिक विधियों का पालन किया गया। भगवान गणेश से देश की निरंतर प्रगति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई।

नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के आवास पर गणेशोत्सव में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए देशवासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश के आशीर्वाद से लोगों के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हो तथा सभी के प्रयास सफल हों। प्रधानमंत्री ने देश की निरंतर प्रगति और समृद्धि की भी कामना की।

सुनील अरोड़ा ने गोयल को दी शुभकामनाएं

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने भी गणेश चतुर्थी के अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और उनके परिवार को विशेष रूप से तैयार कराए गए मोदक एवं सुंदर पुष्पों से सजी गणेश प्रतिमा के साथ शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने गोयल परिवार के लिए सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए गणेश चतुर्थी की बधाई दी। सुनील अरोड़ा की ओर से भेजी गई शुभकामनाओं पर पीयूष गोयल और उनकी पत्नी ने आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया। उन्होंने गणेश चतुर्थी की शुभकामनाओं के लिए सुनील अरोड़ा के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

वन स्टेट-वन इलेक्शन पर जनादेश

मोदी के विजन व सीएम के सुशासन पर मुहर

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के शहरी निकाय चुनावों में जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सुशासन पर मुहर लगाते हुए भाजपा के पक्ष में मजबूत जनादेश दिया है। भाजपा के अनुसार 2020 में जहां केवल 31 प्रतिशत निकायों में उसके बोर्ड थे, वहीं इस बार करीब 65 प्रतिशत निकायों में भाजपा स्वयं या निर्दलीयों के समर्थन से बोर्ड बनाने की स्थिति में है। पार्टी का दावा है कि 21 सितंबर तक यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। भाजपा के मुताबिक नगर निगमों में करीब 60 प्रतिशत बोर्ड वह अपने दम पर बनाने की स्थिति में है, जबकि निर्दलीयों के समर्थन से यह आंकड़ा 80 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। नगर परिषदों में करीब 42 प्रतिशत बोर्ड अपने दम पर और करीब 83 प्रतिशत निर्दलीय समर्थन के साथ बनने का दावा किया गया है। नगरपालिकाओं में भी भाजपा 60 प्रतिशत से अधिक बोर्ड बनाने की स्थिति में बताई गई है।

राजधानी में सातवीं बार कमल

जयपुर में भाजपा लगातार सातवीं बार बोर्ड बनाने की स्थिति में पहुंची है। पार्टी ने इसे कांग्रेस सरकार के दौरान नगर निगमों के विभाजन के खिलाफ जनता के फैसले के रूप में बताया। जयपुर और भरतपुर संभाग में भी भाजपा का प्रभाव बढ़ा है और दोनों संभागों में 60 प्रतिशत से अधिक निकायों में भाजपा बोर्ड बनने का दावा किया गया है।

6 जिलों में बदली तस्वीर

दौसा, भरतपुर, बूंदी, हनुमानगढ़, करौली और धौलपुर में पिछली बार भाजपा का कोई बोर्ड नहीं था। इस बार पार्टी के अनुसार दौसा में 7, भरतपुर में 6, बूंदी और हनुमानगढ़ में 5-5, करौली में 4 और धौलपुर में 2 निकायों में भाजपा बोर्ड बनाने की स्थिति में है। भाजपा ने परिणामों को युवा, महिला, मजदूर सहित विभिन्न वर्गों के समर्थन का संकेत बताया है।

बेधड़क FIRST

बगावत ने बिगाड़ा टिकट का गणित, परिवारों ने बचाई सियासी विरासत

लेकसिटी के निकाय चुनाव नतीजों में बगावत और सियासी विरासत दोनों का असर दिखाई दिया। भाजपा ने 109 सीटें जीतीं, कांग्रेस को 76 और निर्दलीयों को 4 सीटें मिलीं। सबसे ज्यादा चर्चा उस वार्ड की रही, जहां विधायक फूल सिंह मीणा के प्रभाव के बावजूद भाजपा हार गई। टिकट नहीं मिलने पर खुशबू मेहता निर्दलीय मैदान में उतरीं और पार्टी प्रत्याशी को मात दी। दूसरी ओर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास के परिवार से डॉ. हितांशी शर्मा तथा अतुल चंडालिया और आकाश वागरेचा ने जीत दर्ज की। नतीजों ने टिकट वितरण और स्थानीय पकड़ पर सवाल खड़े किए हैं।

निकाय के बाद गांवों की ओर कूच

निकाय चुनाव के बाद अब सियासत का अगला पड़ाव गांव बनने जा रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायती राज चुनाव-2026 की तैयारियां तेज कर दी हैं और चुनाव कार्यक्रम जल्द घोषित होने की संभावना है। कार्यक्रम जारी होते ही आचार संहिता लागू हो जाएगी। इसके साथ ही सरकारी प्रचार सामग्री और राजनीतिक पोस्टर हटाने की कवायद शुरू होगी। सरपंच से जिला परिषद तक के दावेदार सक्रिय होने लगे हैं। टिकट की दौड़ में पुराने रिश्तों के साथ नए समीकरण भी बनेंगे। पंचायत चुनाव राजनीतिक दलों के लिए केवल ग्रामीण सत्ता का मुकाबला नहीं बल्कि जमीनी संगठन, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय नेटवर्क की बड़ी परीक्षा भी होंगे।

विशेषाधिकारी का राजनीतिक कौशल...

वार्ड 87 के नतीजे ने जयपुर भाजपा की सियासत में एक नए नाम की चर्चा तेज कर दी है। जीत के बाद प्रतिभा का राजनीतिक कद बढ़ता नजर आ रहा है। जनसंवाद और भाषण कला में उनकी सक्रियता को भी चर्चा का आधार माना जा रहा है। अब उपमहापौर पद को लेकर उनके नाम की अटकलें तेज हैं। जयपुर मेयर पद के सामाजिक समीकरणों के बीच भाजपा के संभावित ब्राह्मण चेहरे के रूप में प्रतिभा का नाम सामने आ रहा है। हालांकि अंतिम फैसला संगठन को करना है। फिलहाल वार्ड की जीत ने यह जरूर संकेत दिया है कि प्रतिभा आने वाले दिनों में जयपुर भाजपा की महत्वपूर्ण राजनीतिक भूमिका में दिखाई दे सकती हैं।

निकाय चुनाव में मुखिया जी का जलवा

निकाय चुनाव के नतीजों में भाजपा के प्रदर्शन ने प्रदेश की राजनीति में मुखिया जी की चुनावी रणनीति को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। पार्टी ने उन्हें चुनाव अभियान में खुली भूमिका दी और उन्होंने रोड शो, कार्यकर्ताओं से संवाद तथा रूठे नेताओं को साधने पर जोर दिया। जयपुर सहित कई शहरी निकायों में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन के बाद संगठन में इस रणनीति की चर्चा है। चुनाव के दौरान शहर-शहर सक्रियता और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की कोशिश नतीजों में दिखाई दी। अब राजनीतिक गलियारों में यह सवाल है कि क्या जनता से सीधा संवाद और लगातार जमीनी सक्रियता भाजपा के 'कनेक्ट मॉडल' को आने वाले चुनावों में भी मजबूती देगी।

309 के बजाय 305 शहरी निकायों के लिए आज जारी होगी लोक सूचना

राजस्थान में 309 के बजाय 305 शहरी निकायों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव की लोक सूचना मंगलवार को जारी होगी। जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम तथा सुकेत नगरपालिका को इससे अलग रखा गया है। इन चार निकायों में मतगणना के दौरान ईवीएम खराब होने के कारण 10 बूथों पर पुनर्मतदान का निर्णय हुआ है। इन बूथों पर 16 सितंबर को मतदान और 17 सितंबर को मतगणना होगी। इसके तुरंत बाद इन चार निकायों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद के चुनाव कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार शेष 305 नगरीय निकायों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 और 22 सितंबर को ही होंगे।

डीजीपी रीयूनियन... अनुभव और पुरानी यादों का संगम

मौजूदा डीजीपी राजीव शर्मा की अनूठी पहल, 14 पूर्व डीजीपी एक साथ जुटे

सच बेधड़क
पावर कॉरिडोर

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान पुलिस के इतिहास में शनिवार की शाम एक अलग और यादगार तस्वीर देखने को मिली। डीजीपी राजीव शर्मा के सरकारी आवास पर राजस्थान पुलिस के पूर्व डीजीपी और वर्तमान डीजीपी एक साथ बैठे नजर आए। मौका था 'डीजीपी रीयूनियन' का।

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा की पहल पर आयोजित इस गेट-टुगेदर में प्रदेश के 14 पूर्व डीजीपी शामिल हुए। लंबे समय तक राजस्थान पुलिस की कमान संभाल चुके इन अधिकारियों ने एक-दूसरे से मुलाकात की और अपने कार्यकाल के अनुभवों के साथ पुरानी यादों को भी ताजा किया। बताया जा रहा है कि राजस्थान पुलिस के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब किसी मौजूदा डीजीपी ने प्रदेश के पूर्व डीजीपी को एक साथ आमंत्रित कर इस तरह का आत्मीय मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पुलिस नेतृत्व की कई पीढ़ियां एक ही मंच पर नजर आईं। वर्तमान डीजीपी राजीव शर्मा ने सभी पूर्व डीजीपी का आत्मीयता से स्वागत किया और उनके साथ समय बिताया।

डीजीपी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कपिल गर्ग, उमेश मिश्रा, अजीत सिंह, ओपी गल्होत्रा, यूआर साहू, राजीव शर्मा, हरीश मीणा, एमएल लाठर, भूपेंद्र यादव, केएस बैंस, मनोज भट्ट, ओमेंद्र भारद्वाज।

पुरानी यादों के संग नए अनुभव

गेट-टुगेदर के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के बीच पुलिस सेवा के पुराने अनुभवों को लेकर भी बातचीत हुई। किस दौर में पुलिस के सामने किस तरह की चुनौतियां थीं। किस तरह परिस्थितियों के बीच कानून-व्यवस्था संभाली जाती थी और समय के साथ पुलिसिंग में किस तरह बदलाव आया, ऐसे कई विषयों पर पूर्व डीजीपी ने अपने अनुभव साझा किए। वर्तमान डीजीपी राजीव शर्मा ने भी पूर्व अधिकारियों से उनके अनुभवों और सुझावों को सुना। वरिष्ठ अधिकारियों का अनुभव वर्तमान पुलिस नेतृत्व के लिए किस तरह उपयोगी हो सकता है, इसे लेकर भी सकारात्मक माहौल रहा। कार्यक्रम में यह संदेश भी सामने आया कि पुलिस सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद भी संगठन और उसके नेतृत्व से जुड़ाव बना रहता है।

राजीव शर्मा की पहल बनी चर्चा का विषय

डीजीपी राजीव शर्मा की इस पहल को पुलिस महकमे में अलग नजरिए से देखा जा रहा है। आमतौर पर पूर्व और वर्तमान अधिकारियों के बीच व्यक्तिगत मुलाकातें होती रहती हैं, लेकिन प्रदेश के लगभग पूरे पूर्व पुलिस नेतृत्व को एक साथ आमंत्रित कर गेट-टुगेदर करना अपने आप में अनूठी पहल रही। राजीव शर्मा ने कार्यक्रम के जरिए न केवल पूर्व डीजीपी का सम्मान किया, बल्कि राजस्थान पुलिस की विरासत और अनुभव को वर्तमान नेतृत्व से जोड़ने का प्रयास भी किया। शनिवार को हुआ यह 'डीजीपी रीयूनियन' राजस्थान पुलिस के लिए सिर्फ एक गेट-टुगेदर नहीं, बल्कि पुलिस नेतृत्व की कई पीढ़ियों के अनुभव, संवाद और स्मृतियों के एक साथ आने का अवसर बन गया। वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुई आत्मीय बातचीत और पुराने किस्सों ने इस शाम को लंबे समय तक याद रखने वाला बना दिया।

एक साथ जुटा पुलिस नेतृत्व

डीजीपी आवास पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में यूआर साहू, कपिल गर्ग, ओपी गल्होत्रा, उमेश मिश्रा, हरीश मीणा, केएस बैंस, मनोज भट्ट, एमएल लाठर, भूपेंद्र यादव, अजीत सिंह और ओमेंद्र भारद्वाज समेत 14 पूर्व डीजीपी शामिल हुए। लंबे समय बाद प्रदेश पुलिस के शीर्ष पद पर रह चुके इतने वरिष्ठ अधिकारियों का एक साथ मिलना अपने आप में खास रहा। कार्यक्रम में औपचारिकता से ज्यादा आत्मीयता का माहौल नजर आया। पूर्व डीजीपी ने अपने-अपने कार्यकाल से जुड़े अनुभव साझा किए। पुलिसिंग में आए बदलाव, अपराध नियंत्रण की चुनौतियां, तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल और बदलते दौर में पुलिस के सामने खड़ी नई चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। वहीं, बातचीत के दौरान पुराने दौर की कई यादें भी सामने आईं।

पन्नाधाय बाल गोपाल योजना की समीक्षा

उच्च शिक्षा में उद्योगों से जुड़ेंगे युवा: सीएस

तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक लेते मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास। साथ में मौजूद अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका व अन्य अधिकारी।

बेधड़क | जयपुर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा व पन्नाधाय बाल गोपाल योजना की समीक्षा बैठकें आयोजित हुईं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की बैठक में विभागीय योजनाओं, बजट घोषणाओं और कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने युवाओं को उच्च शिक्षा के साथ उद्योगों का व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराने के लिए अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) को प्रभावी रूप से लागू करने और अधिकाधिक विद्यार्थियों को इससे जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि एईडीपी के तहत विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप अवधि में 12 हजार 300 रुपए का स्टाइपेंड दिया जाता है। इससे उन्हें पढ़ाई के साथ संबंधित उद्योग में काम करने का व्यावहारिक अनुभव मिलता है। मुख्य सचिव ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में बाजार की मांग के अनुरूप पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएं, ताकि युवाओं की रोजगार एवं उद्यमिता क्षमता बढ़े। उन्होंने रूसा एवं पीएम-उषा योजना के कार्यों की नियमित समीक्षा कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। पन्नाधाय बाल गोपाल योजना की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने विद्यालयों में दूध पाउडर के वितरण की जिलेवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने डिस्पैच और विद्यालयों तक डिलीवरी के बीच अनावश्यक अंतराल खत्म करने तथा नियमित एवं समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम आपूर्ति वाले जिलों पर विशेष ध्यान देते हुए वितरण व्यवस्था को गति देने के निर्देश दिए।

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स के लिए मुद्रक व प्रकाशक अनिता हाड़ा सागवान द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 304-308 थर्ड फ्लोर, सिटी मॉल, भगवानदास रोड, सी-स्कीम जयपुर-302001 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
प्रधान संपादक: पवन अरोड़ा, **संपादक:** मनोज माथुर*, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 **फोन नं. :** 0141-4920504 (ऑफिस), **ई-मेल:** sachbedhadakdaily@gmail.com, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।